RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:37 ता. 30 जूलाई 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राजस्थान से निकालकर वसुंधरा राजे को दिल्ली लाने की तैयारी

चुनाव से पहले बीजेपी का बड़ा संदेश

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को पदाधिकारियों में फेरबदल किए हैं। नई सूची के अनुसार, तेलंगाना भाजपा प्रमुख संजय बंदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया है। वहीं, उत्तर प्रदेश से सांसद राधामोहन अग्रवाल की भी महामंत्री के तौर पर एंट्री हुई है। इसके अलावा भी अनिल एंटनी जैसे नेता भी संगठन में शामिल हुए हैं। खास बात है कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे इस बार भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बनी हुई हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।

भाजपा ने पूर्व सीएम राजे को दोबारा पार्टी ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही संकेत मिलने लगे हैं कि पार्टी उन्हें राजस्थान से लाकर दिल्ली में बड़ी भूमिका दे सकती है। हालांकि, अब तक भाजपा नेतृत्व या प्रदेश इकाई की ओर से इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। कहा जा रहा है कि राजे लगातार भाजपा आलाकमान से आगामी चुनाव में उनकी भूमिका साफ करने के संदेश पहुंचा रहीं थीं।

पीएम मोदी और राजे की केमिस्ट्री

राजस्थान की सत्ता में भाजपा की दावेदारी मजबूत करने पहुंचे पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी राजे के कामों की तारीफ कर चुके हैं। साथ ही कार्यक्रमों में भी उनकी मौजूदगी खासतौर पर देखी जा रही है। अब इसके साथ ही राजस्थान की राजनीति में समीकरण बदलने की भी संभावनाएं बढ़ गई हैं। दरअसल, यह कहा जाने लगा था कि भाजपा में राजे को साइडलाइन कर दिया गया है।

कौन देगा चुनौती?

राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को राजे का बड़ा विरोधी माना जाता है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के जरिए भी भाजपा ने राजस्थान में नया नेता तैयार करने की कोशिश की थी। माना जाता है कि इन चेहरों

के जरिए भाजपा ने राजे को राजस्थान में बाहर लाने की कोशिश की, लेकिन दो बार की मुख्यमंत्री हमेशा प्रदेश की राजनीति में ही दिलचस्पी दिखाती नजर आईं।

राजस्थान में सीएम का चेहरा कौन होगा?

खास बात है कि कांग्रेस शासित राज्य में भाजपा के लिए हालिया सर्वे सुखद संकेत लाया है। वहीं, पार्टी मौजूदा तस्वीर में प्रदेश इकाई में जारी कथित आंतरिक तकरार को भी रोकने में जुटी हुई है। इसके अलावा भाजपा राजे को खुलकर सीएम उम्मीदवार के तौर पर दिखाने में भी कतरा रही है। अब तक भाजपा ने माहौल बना रही है कि पार्टी राजस्थान विधानसभा चुनाव में सामूहिक नेतृत्व के तहत चुनाव लड़ेगी। साथ ही पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही सबसे बड़ा चेहरा दिखा रही है।

अगस्त तक आ सकता है फैसला

कहा जा रहा है कि भाजपा राजस्थान में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर अगस्त के पहले सप्ताह तक फैसला ले सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह भी कहा गया कि राज्य में राजे के प्रभाव को देकते हुए भाजपा नेतृत्व उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देने पर विचार कर रहा है, लेकिन सीएम उम्मीदवार के तौर पर उनके नाम की घोषणा करने में संकोच कर रहा है।

जेपी नड्डा से की थी मुलाकात

जून में ही राजे ने दिल्ली पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष से मुलाकात की थी। कहा जा रहा है कि राजे दिल्ली में सक्रिय होने के बाद भी राजस्थान में टिकट वितरण में सक्रियता दिखा सकती हैं।

शिवराज ने पुलिसकर्मी कल्याण के लिए दी सौगात

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए कई अहम घोषणाएं करते हुए उनके लिए 25 हजार नए आवास बनाने की भी घोषणा की। चौहान कल देर रात यहां आयोजित पुलिस परिवार समागम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों के लिए पेट्रोल, पोषण, वर्दी और हेल्थ चेकअप का भत्ता बढ़ाने और 25 हजार नए आवास बनाने की घोषणा की। चौहान ने कहा कि थानों में पदस्थ आरक्षक से उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रतिमाह 15 लीटर पेट्रोल भत्ता प्रदाय किया जाएगा। पुलिस विभाग के अराजपत्रित अधिकारियों/कर्मचारियों को मिलने वाले पौष्टिक आहार भत्ते को रुपये 650 प्रतिमाह से बढाकर रूपये 1000 प्रतिमाह किया जाएगा। इसमें लगभग एक लाख 23 हजार 821 कर्मचारी/अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आरक्षक एवं प्रधान आरक्षक को मिलने वाले ढ़ाई हजार व तीन हजार रुपये प्रतिवर्ष किट क्लोदिंग भत्ते को बढ़ाकर पांच हजार रूपये किया जाएगा। सहायक उप निरीक्षक से निरीक्षक स्तर के 22 हजार 138 अधिकारियों को प्रत्येक 3 वर्ष में दिये जाने वाले वर्दी नवीनीकरण अनुदान को रूपये 500 से बढ़ाकर प्रति 3 वर्ष रूपये 2500 किया जाएगा। चौहान ने राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भांति पंचम वेतनमान (ग्रेड पे 8900) के पुलिस मुख्यालय द्वारा भेजे गए प्रस्ताव की स्वीकृत किए जाने की भी घोषणा की। कानून व्यवस्था ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को मिलने वाले निःशुल्क भोजन की दरों को रू. 70 प्रतिदिन से बढ़ाकर रू. 100 प्रतिदिन किया जाएगा। 45 वर्ष से अधिक आयु के पुलिस कर्मियों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। वर्तमान में प्रचलित मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना में 25 हजार आवासों के अतिरिक्त 25 हजार और आवासों को स्वीकृत करने की भी घोषणा की गई। साथ ही एसएएफ के जवानों को एक हजार रुपए भत्ता प्रतिमाह बढ़ाने की घोषणा की गई जिसका लगभग 244 हजार जवानों को लाभ मिलेगा।

सोनिया-प्रियंका गांधी से घर पर मिली हरियाणा की किसान महिलाएं

नयी दिल्ली। हरियाणा की किसान महिलाएं एवं पुरुषों का एक दल कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी और राहुल गांधी से दस जनपथ पहुंचकर मुलाकात की और उन्हें उपहार भी दिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने खुद यह जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि किसानों के इस दल में उनके परिवार के लिए इतनी जबरदस्त आत्मीयता थी कि वे अपने साथ घर पर बना घी, अचार आदि उपहार लेकर के भी आए अत्यंत घुल मिलकर श्रीमती गांधी और प्रियंका से बातचीत की। गांधी ने कहा कुछ दिन पहले जब भारत जोड़ो यात्रा को जारी रखते हुए हम सोनीपत के एक गांव पहुंचे तो वहां के किसानों से मुझे बहुत प्यार और अपनापन मिला - खास कर किसान बहनों से। उन्होंने घर से बना कर लाया खाना खिलाया और परिवार के हिस्से की तरह सम्मान दिया। बस एक इच्छा जताई - दिल्ली देखने की। ये उनकी रोटी का ऋण था, उनके प्यार और सम्मान का कर्ज़, चुकाता कैसे नहीं। सभी को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, सोनिया गांधी जी के घर पर आमंत्रित किया और सभी बहुत खुशी के साथ आईं, इसके लिए उनका बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा ÷गौर करने वाली बात है कि वे सब कुछ न कुछ उपहार भी ले कर आईं थीं - कोई शुद्ध देसी घी, तो कोई घर का बना अचार - ऐसा होता है हमारे देश के किसानों का प्यार। आते ही वो मां और प्रियंका से घुल मिल गईं, जैसे सालों से उन्हें जानती हों। उनका हाल पूछा, अपना हाल सुनाया, सबने साथ खाना खाया और उन्होंने दिल्ली दर्शन भी किए। श्री गांधी ने आगे कहा देश की समस्याओं से ले कर मेरे और प्रियंका के बचपन की नोक झोंक तक कई बातें हुई उनसे-और मुझे ये देख कर बहुत खुशी हुई कि वो हर बात से कितनी अवगत हैं, हर मुद्दे की जानकारी है। कानूनों से लेकर हर सरकारी नीति तक। जीएसटी और महंगाई से तो हर किसान परेशान है। हरियाणा में अग्निवीर के कारण युवाओं की परेशानी भी देख रहे हैं। वो मां और प्रियंका से प्रभावित थीं और मैं उन सभी की शक्ति देख कर - सच में, किसी भी काम को ले कर महिलाएं अगर मन बना लें, तो फिर उनके लिए कुछ नामुमकिन नहीं।

व्हीलचेयर पर आएंगे मनमोहन, एंबुलेंस से बीमार एमपी, दिल्ली बिल पर कोई कसर नहीं छोड़ेगा 'INDIA'

नई दिल्ली। दिल्ली अध्यादेश को अगले सप्ताह संसद में पेश किया जाना है। इससे पहले ही नए विपक्षी गठबंधन यानी 'INDIA' ने राज्यसभा में ताकत जुटाना शुरू कर दिया है। खबर है कि पार्टियां अपने सांसदों की 100 फीसदी मौजूदगी सुनिश्चित करने में जुटी हुई हैं। कहा जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से लेकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेने जैसे कई बुजुर्ग नेता भी संसद में नजर आ सकते हैं।

क्या है मामला

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में तबादलों और नियुक्तियों संबंधी मामलों में फैसला लेने की शक्तियां दिल्ली सरकार को दी थीं। अब शीर्ष

अदालत के इसी आदेश को निरस्त कराने के लिए दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर केंद्र की तरफ से जारी अध्यादेश की जगह लेने के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है।

एंबुलेंस से लेकर व्हीलचेयर तक की तैयारी-विपक्ष से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा में इस विधेयक के पेश किए जाने के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह (90) के व्हीलचेयर पर सदन में आने की संभावना है, जबकि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन (79) भी संसद की कार्यवाही में शामिल हो सकते हैं। मनमोहन सिंह और सोरेन लंबे समय से अस्वस्थ हैं। सूत्रों ने कहा कि जद (यू) सांसद 75 वर्षीय बशिष्ठ नारायण सिंह के भी एम्बुलेंस में संसद पहुंचने की संभावना है।

व्हिप जारी

कांग्रेस और जनता दल (यूनाइटेड) ने पहले ही अपने-अपने सदस्यों को सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं ने पहले ही राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा है कि अध्यादेश एक गंभीर मुद्दा है और उनसे अनुरोध किया है कि वे उन्हें विधेयक के बारे में पहले से बताएं।

मणिपुर में शांति और सौहार्द बहाली जरूरी : अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि विपक्षी दलों का संगठन इंडिया मणिपुर में पुनः शांति और सौहार्द की बहाली चाहता है। इसी उद्देश्य से विपक्ष का प्रतिनिधिमंडल आज (शनिवार) मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा है। दिल्ली हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत करते हुए चौधरी ने कहा कि हमारा मकसद है कि मणिपुर में फिर से शांति और सौहार्द बहाल हो। वहां पीड़ितों की मदद की जानी चाहिए और लोगों के पुनर्वास पर काम होना चाहिए। हम वहां इन मुद्दों को उठाएंगे। हम मणिपुर की राज्यपाल से मिलकर उन्हें हालात की जानकारी देंगे। यात्रा पर जा रहे कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हम चाहते हैं कि संसद में मणिपुर पर चर्चा हो। मणिपुर में जंग जैसा माहौल है। मणिपुर दौरे पर जा रहे राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि विपक्षी दलों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के लोगों को सुनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि वहां जाकर सभी समुदायों की बात सुनी जाए। उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल आज से दो दिवसीय मणिपुर दौरे पर है।

जहां वे हिंसा पीड़ितों से मिलेंगे, उनकी स्थिति से रूबरू होंगे। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

नीतीश ने बीजेपी के लिए दरवाजे बंद नहीं किए, हरिवंश उपसभापति क्यों बने हुए ?

समस्तीपुर। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने बीजेपी से बातचीत के दरवाजे अभी तक बंद नहीं किए हैं। यही वजह है कि जेडीयू से सांसद हरिवंश नारायण सिंह अभी तक राज्यसभा के उपसभापति पद पर आसीन हैं। पीके ने कहा कि जब नीतीश ने एनडीए छोड़ दिया, तो हरिवंश उपसभापति क्यों बने हुए हैं। नीतीश बीजेपी से मिलीभगत करके हरिवंश से राज्यसभा में बिल पास करवाने में लगे हैं। बिहार में जनसुराज पदयात्रा निकाल रहे प्रशांत किशोर ने समस्तीपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित

करते हुए ये बातें कहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पीके ने आरोप लगाया कि हरिवंश राय का उपसभापति पद पर बने रहना यह दर्शाता है कि नीतीश कुमार ने अभी तक बीजेपी के लिए दरवाजे बंद नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बिल का लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों से पारित होना अनिवार्य है। लोकसभा में तो बीजेपी के पास बहुमत है, लेकिन राज्यसभा में उसे कोई भी बिल पास कराने के लिए चुनौती का सामना करना पड़ता है। पीके ने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने एनडीए छोड़ दिया है, लेकिन हरिवंश सिंह अभी तक पद पर बने हुए हैं। अगर नीतीश ने बीजेपी से रास्ते अलग कर दिए हैं तो हरिवंश को राज्यसभा सांसद के पद से हटाते क्यों नहीं हैं। न ही जेडीयू ने यह पद छोड़ा और न ही उन्हें इस पद से हटाया गया। इससे साफ जाहिर होता है कि नीतीश कुमार ने बीजेपी से बातचीत के दरवाजे अभी खुले रखे हैं।

नई पार्टी बनाकर चुनाव लड़ेंगे प्रशांत किशोर? अक्टूबर में होगा फैसला

प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार द्वारा उन्हें बीजेपी की बी टीम कहे जाने के आरोपों को सिरे से नकार दिया। पीके ने कहा कि नीतीश पहले ये बताएं कि वे खुद किस टीम से हैं। जो नेता किसी भी पार्टी के साथ सरकार बना सकता है, उसे किसी भी तरह का सर्टिफिकेट देने की जरूरत नहीं है। पीके ने कहा कि वे पश्चिम बंगाल में बीजेपी को हरा चुके हैं, जबकि नीतीश कुमार अब भी बीजेपी को हराने की कोशिश में लगे हैं। अब लोगों को यह तय करना होगा कि वे किसका साथ देना चाहते हैं। प्रशांत किशोर ने बिहार में चुनाव लड़ने के भी संकेत दिए हैं।

भाजपा की केंद्रीय पदाधिकारियों की टीम में फेरबदल, 13 उपाध्यक्ष और 9 महासचिव किए गए शामिल

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के आम चुनाव से पहले पार्टी संगठन में बदलाव करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष, जेपी नड्डा ने शनिवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। तेलंगाना राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष, बंदी संजय को उत्तर प्रदेश के विधायक राधा मोहन अग्रवाल के साथ राष्ट्रीय महासचिव के रूप में शामिल किया गया है। ये दोनों नेता डी पुरंदेश्वरी और सीटी रवि की जगह लेंगे जिन्हें हाल ही में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

इन्हें मिली नई जिम्मेदारी

सरोज पांडे जिन्हें 2020 में राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटा दिया गया था, उन्हें सौदान सिंह के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सौदान सिंह संयुक्त महासचिव (संगठन) भी थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की टीम में छत्तीसगढ़ से लता उसेंडी, यूपी से दोनों सांसद रेखा वर्मा और लक्ष्मीकांत बाजपेयी और यूपी से एमएलसी तारिक मंसूर को भी शामिल किया गया है। बीएल संतोष संगठन के राष्ट्रीय महासचिव और शिव प्रकाश संयुक्त महासचिव बने रहेंगे।

भाजपा की तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष बंदी संजय कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, राधामोहन अग्रवाल को भी महासचिव नियुक्त किया गया है। सीटी रवि और दिलीप सैकिया को जनरल सेक्रेटरी के पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह पर बंदी संजय और राधा मोहन दास अग्रवाल को शामिल किया गया है। वहीं हरीश द्विवेदी, सुनील देवधर और विनोद सोनकर को भी सचिव पद से हटा दिया गया है। बीएल संतोष भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बने रहेंगे, जबकि शिव प्रकाश संयुक्त महासचिव बने रहेंगे।

चुनावों से पहले बदलाव

पार्टी में ये बदलाव ऐसे समय में किए गए हैं जब वह राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सहित राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में राजस्थान के तीन नेताओं का नाम शामिल है। इसमें राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का नाम शामिल है। राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। लिस्ट के मुताबिक, एमएलसी और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को भाजपा उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। तारिक मंसूर एक पसमांदा मुस्लिम हैं।

शुक्रवार को, नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय

महासचिवों के साथ लगभग चार घंटे लंबी बैठक की अध्यक्षता की। इसी बैठक के बाद ये लिस्ट जारी की गई है। नई सूची में ज्यादातर पदाधिकारियों को उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव के पद पर बरकरार रखा गया है। सूची में 13 उपाध्यक्ष, नौ महासचिव, संगठन महामंत्री बी एल संतोष और 13 सचिव शामिल हैं। बिहार से लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह को पार्टी उपाध्यक्ष के पद से हटा दिया गया है।

अनिल एंटनी को भी मिली जगह

कांग्रेस से आए अनिल एंटनी को भाजपा का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। दिग्गज कांग्रेस नेता और पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी इस साल अप्रैल में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए थे। 2002 के गुजरात दंगों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर विवाद के बीच कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपनी आलोचनात्मक टिप्पणी के बाद अनिल ने जनवरी में कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। अनिल एंटनी को असम से राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा के साथ राष्ट्रीय सचिवों की सूची में शामिल किया गया है। असम के दिलीप सैकिया, जो राष्ट्रीय महासचिव थे, उनको हटा दिया गया है। सुनील देवधर को भी राष्ट्रीय सचिव पद से हटा दिया गया है।

भाजपा का पसमांदा मुसलमानों पर फोकस

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) हैं। उन्हें नयी टीम में शामिल करने के फैसले को पसमांदा मुसलमानों के लिए पार्टी की पहल का हिस्सा माना जा रहा है। मंसूर उन छह नामों में शामिल थे, जिन्हें उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने राज्य की विधान परिषद के सदस्यों के रूप में नामित करने के लिए राज्यपाल को भेजा था।

प्रेमी से मिलने पाकिस्तान जा रही नाबालिग को सीआरपीएफ ने जयपुर एयरपोर्ट पर पकड़ा

जयपुर। राजस्थान में सीमा पार प्यार की एक और घटना में, अपने प्रेमी से मिलने के लिए पाकिस्तान जा रही 17 साल की नाबालिग लड़की को जयपुर हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। सीकर के श्रीमाधोपुर से लड़की को सीआईएसएफ जवानों ने हिरासत में लेकर एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में पता चला कि लड़की लाहौर में अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। पुलिस ने बताया लड़की दो लड़कों के साथ एयरपोर्ट पहुंची। जब नाबालिग लड़की ने पाकिस्तान जाने के लिए टिकट मांगा तब एयरपोर्ट स्टाफ को पहले लगा कि यह मजाक है, लेकिन फिर लड़की ने उन्हें बताया कि वह पाकिस्तानी है। अपनी बुआ के साथ तीन साल पहले भारत आई थी। वह सीकर के श्रीमाधोपुर में रह रही थी। लड़की ने बताया कि कुछ दिन पहले उसका बुआ से झगड़ा हो गया। इसके बाद वह शुक्रवार सुबह बस से जयपुर पहुंच गई। पुलिस ने कहा, दो लड़के बस में लड़की से मिले और उस एयरपोर्ट पर छोड़ने आए। पूछताछ में लड़कों ने खुलासा किया कि उन्होंने लड़की से बात की और एयरपोर्ट पर छोड़ने आए थे। पूछताछ में पता चला कि करीब एक साल पहले लड़की की दोस्ती इंस्टाग्राम पर लाहौर के एक शख्स असलम लाहौरी से हुई थी। लड़की ने बताया कि मेरे स्कूल की दूसरी लड़कियों से भी असलम की दोस्ती है। अधिकारियों ने उसका मोबाइल जब्त कर उसके परिवार को सूचित कर दिया है, जो इस बात से बेखबर थे, कि उनकी लड़की किसी लड़के से मिलने के लिए पाकिस्तान जा रही थी। पुलिस असलम के इंस्टाग्राम अकाउंट और वह देश में कितनी लड़कियों के संपर्क में है, इसकी जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है। इस बीच झालावाड़ के एडिशनल एसपी चिंरजी लाल मीणा ने कहा कि लड़की ने खुलासा किया है कि उसके माता-पिता पाकिस्तान में हैं और वह उनके पास जाना चाहती है, लेकिन उसके पास कोई दस्तावेज नहीं है। उन्होंने कहा, लड़की को हिरासत में लेकर आगे की जांच जारी है। यह घटनाक्रम भिवाड़ी की दो बच्चों की शादीशुदा मां अंजू राफेल के हाल ही में पाकिस्तान जाने के कुछ दिनों बाद आया है, जहां उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति से शादी कर ली, जिससे उसकी फेसबुक पर दोस्ती हुई थी।

दिल्ली-जम्मूतवी राजधानी एक्सप्रेस में बम की दहशत

नई दिल्ली। दिल्ली-जम्मूतवी राजधानी एक्सप्रेस के यात्रियों में उस समय दहशत फैल गई, जब एक कॉल मिली कि ट्रेन में बम है। रेलवे ने बताया कि कॉल के बाद सोनीपत रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की गहन जांच की गई। लेकिन कुछ भी संदिग ?ध नहीं मिला। उत्तर रेलवे सीपीआरओ दीपक कुमार के मुताबिक, ट्रेन शुक्रवार रात 9.35 बजे सोनीपत रेलवे स्टेशन पर पहुंची। प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर आरपीएफ और जीआरपी, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस पहुंची। रोहतक से बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की व्यवस्था कर गहन तलाशी के बाद ट्रेन रात दो बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई।

गैंगस्टर छोटा शकील का शूटर गिरफ्तार!

मुंबई। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि भगोड़े गैंगस्टर छोटा शकील के एक शूटर को हत्या के एक मामले में 25 साल बाद गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 50 वर्षीय लईक अहमद फिदा हुसैन शेख के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि छोटा शकील गिरोह के शूटर लईक अहमद फिदा हुसैन शेख (50) को पायधोनी पुलिस ने ठाणे रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। शेख गिरफ्तार अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन गिरोह के एक सदस्य की हत्या में आरोपी है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर 2 अप्रैल 1997 की शाम को गिरफ्तार अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन गिरोह के सदस्य मुन्ना धारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस समय पुलिस ने मामला दर्ज कर शेख को गिरफ्तार कर लिया था। अधिकारी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 302, 34 और शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25 के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद, आरोपी को साल 1998 में एक अदालत द्वारा जमानत पर रिहा कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि 1998 के बाद से आरोपी शेख भूमिगत हो गया और किसी भी अदालती सुनवाई में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया। पुलिस को गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली कि आरोपी शेख मुंब्रा में रहता है, जिसके बाद वे उस पते पर पहुंचे लेकिन वह नहीं मिला और न ही किसी ने उसे पहचाना। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि आरोपी ठाणे परिसर में टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करता था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शेख की लोकेशन का पता लगाया और ठाणे रेलवे स्टेशन के पास जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

कर्ज में डूब आंध्रप्रदेश के किसान को टमाटर ने बना दिया करोड़पति

चित्तूर। जहां देश में एक ओर टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई किसान टमाटर मालामाल हो रहे हैं। यहां तक कि कई किसानों के करोड़पति बनने तक की खबरें आ चुकी हैं। ऐसा ही मामला अब आंध्र प्रदेश से सामने आया है। 48 साल के मुरली चित्तूर जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने भी नहीं सोचा होगा कि टमाटर की खेती उनकी किस्मत बदल देगी। रिपोर्ट के मुताबिक मुरली ने सिर्फ डेढ़ माह के भीतर 4 करोड़ रुपये की अप्रत्याशित कमाई की है, जिससे उनकी जिंदगी बदल गई है। वह कोलार में अपने टमाटर बेचने के लिए 130 किमी से अधिक की यात्रा सिर्फ इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि यहां एपीएमसी (फसल की मंडी) अच्छी कीमत देता है। उन्होंने कहा कि वह पिछले आठ वर्षों से टमाटर की खेती कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि टमाटर से इतनी बड़ी कमाई हो सकती है। मुरली के संयुक्त परिवार को 12 एकड़ जमीन विरासत में मिली थी, जबकि उन्होंने कुछ साल पहले अतिरिक्त 10 एकड़ जमीन खरीदी थी। दरअसल, पिछले साल जुलाई में कीमतों में गिरावट के कारण उनके परिवार को भारी नुकसान हुआ था। उन पर 1.5 करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसे उन्होंने बीज, उर्वरक, श्रम, परिवहन और अन्य रसद पर निवेश किया था। उनके गांव में बार-बार बिजली कटौती के कारण खराब हो रहे फसल ने उनके दुख को और बढ़ा दिया। हालांकि इस बार बिजली की स्थिति में बदलाव आया है और उनकी किस्मत भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि इस साल फसल अच्छी गुणवत्ता वाली है और अब तक 35 कटाई हो चुकी है। 15 से 20 फसलें और कटने की संभावना है। मुरली, जिनका बेटा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है और बेटी मेडिकल की पढ़ाई कर रही है, ने कहा कि वह 45 दिनों में 4 करोड़ रुपये कमाने में सक्षम हुए हैं।

ऑनलाइन स्कैम की बढ़ रही घटनाएं, अब व्हाट्सएप पर एक नया स्कैम

मुंबई। इन दिनों ऑनलाइन स्कैम की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। वर्क फॉम होम से लेकर लॉटरी जीतने वाले संदेशों तक, हर दिन नए फर्जीवाड़े सामने आ रहे हैं। ऑनलाइन लेनदेन करते समय या अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन लिंक खोलते समय सावधानी बरतने का अक्सर आग्रह किया जाता है। लेकिन इसके बाद भी लोग इसे नजर अंदाज कर देते हैं। परिणामस्वरूप, साइबर अपराधी के जाल में आम नागरिक फंस जाते हैं। ज्यादा पैसे कमाने के चक्कर में अपने ही खाते से पैसे उड़ा लेने के मामले सबसे ज्यादा सामने आते हैं.

- अब व्हाट्सएप पर एक नया घोटाला:

अब ऐसा ही एक नया स्कैम व्हाट्सएप पर आया है. 32 साल के एक शख्स से 37 लाख रुपये की ठगी की गई. इसके बाद यह घोटाला सामने आया है. उन्हें बॉलीवुड अभिनेताओं के इंस्टाग्राम पोस्ट को लाइक करने का पार्ट-टाइम काम का ऑफर किया गया था। लेकिन सवाल यह है कि घोटालेबाज लोगों तक कैसे पहुंचते हैं। पुलिस के अनुसार, घोटालेबाज भर्ती साइटों से लोगों का बायोडाटा ढूंढते हैं, फिर व्यक्ति का फोन नंबर और अधिक जानकारी प्राप्त करते हैं और उन्हें आंशिक नौकरी संदेश भेजते हैं। 32 साल के एक शख्स को उसके वॉट्सऐप नंबर पर ऐसा ही मेसेज मिला। संदेश में अच्छे वेतन पर अंशकालिक नौकरी की पेशकश की गई थी। संदेश बहुत ही पेशेवर तरीके से तैयार किया गया था। मैसेज में बड़ी कंपनी का नाम दिया गया था, ताकि सामने वाले को लगे कि मैसेज असली है.

- इंस्टाग्राम पर लाइक के लिए पैसे: इस पार्ट टाइम जॉब में लालच दिखाया गया कि सेलिब्रिटीज की फोटो लाइक करने पर उन्हें 70 रुपये मिलेंगे. इतना ही नहीं, यह दिखावा किया गया कि ऐसा करने पर दिन में 2 से 3 हजार रुपये कमाने का मौका मिलेगा। इसमें यह भी शर्त थी कि पसंद के सबूत के तौर पर फोटो का स्क्रीनशॉट कंपनी को भेजा जाना चाहिए। इस प्रकार, पीड़ित को आश्वस्त किया गया कि कार्य विश्वसनीय है। फिर घोटालेबाज ने पीड़ित को टेलीग्राम पर आने के लिए कहा। उन्हें क्रिप्टो करेंसी के रूप में अधिक पैसा कमाने का टास्क दिया गया था। पैसा दोगुना करने का दावा किया गया था.

सोनिया गांधी ने महिलाओ से कहा... लड़की खोजों राहुल की शादी करनी

राहुल ने महिला किसानों को घर पर भोजन पर बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा की कुछ महिला किसानों ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और सांसद सोनिया गांधी से बातचीत के दौरान कहा कि 'राहुल की शादी करा दीजिए' और उसके जवाब में सोनिया ने राहुल गांधी के लिए 'लड़की खोजने' को कहा। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि 'ऐसा होगा!' महिलाओं के समूह की यह चिंता तब सामने आई जब वे सोनिया गांधी के आवास पर आयोजित दोपहर के भोजन में गांधी परिवार से मिलीं। जिसका वादा राहुल गांधी ने उनके इलाके की अपनी हाल की यात्रा के दौरान किया था। अपना वादा पूरा कर पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने सोनीपत जिले की कुछ महिला किसानों को अपनी मां के घर आमंत्रित किया और उनके साथ भोजन किया।

बातचीत के दौरान एक महिला ने सोनिया गांधी से कहा कि 'राहुल की शादी करा दो' जिस पर सोनिया गांधी उससे कहती हैं कि 'आप उसके लिए लड़की ढूंढ लीजिए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि 'ऐसा होगाउ इसके एक वीडियो में उन्हें एक महिला द्वारा खाना खिलाते हुए भी देखा जा सकता है। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिलाओं से कहा कि 'राहुल उनसे ज्यादा शरारती थे, लेकिन उन्हें ज्यादा डांट मिलती थी। गौरतलब है कि 8 जुलाई को राहुल गांधी सोनीपत के मदीना गांव में अचानक रुके। उन्होंने लोगों से

बातचीत की और खेतों में काम कर रहे किसानों के साथ समय बिताया।

राहुल गांधी ने तब इन किसानों से वादा किया था कि वह उन्हें 'दिल्ली दिखाने' के लिए बुलाएंगे। क्योंकि महिलाओं ने कहा था कि इतने करीब रहने के बावजूद वे कभी दिल्ली नहीं गईं हैं। राहुल गांधी ने बैठक का वीडियो साझा कर हिंदी में ट्वीट में कहा कि 'मां, प्रियंका और मेरे लिए एक यादगार दिन, कुछ खास मेहमानों के साथ! सोनीपत की किसान बहनों का दिल्ली दर्शन, उनके साथ घर पर खाना, और खूब सारी मजेदार बातें। साथ मिले अनमोल तोहफे, देसी घी, मीठी लस्सी, घर का अचार और ढेर सारा प्यार।'

कांग्रेस पार्टी ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा कि 'राहुल गांधी ने सोनीपत की किसान बहनों को दिल्ली ले जाने का वादा किया था। किसान बहनें दिल्ली आईं, वादा पूरा हुआ। इसके वीडियो में गांधी परिवार ग्रामीण महिलाओं के साथ हल्के-फुल्के पल बिताते और उन्हें दोपहर का भोजन कराते नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी को यह पूछते हुए सुना गया कि क्या उन्हें खाना पसंद आया और पूछा कि क्या सभी ने मिठाई खाई है। वह आने वाले बच्चों और लड़कियों को चॉकलेट बांटते भी नजर आ रहे हैं।

केवल 197 परिवारों को मिला मुआवजा, आतिशी ने मुख्य सचिव को लगाई फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार और नौकरशाहों के बीच एक ताजा विवाद शनिवार को सामने आया जब एनसीटी की राजस्व मंत्री आतिशी ने बाढ़ राहत राशि के वितरण को लेकर मुख्य सचिव नरेश कुमार की खिंचाई की। मंत्री ने मुख्य सचिव को सोमवार शाम छह बजे तक उन्हें और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को स्थिति रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। आतिशी ने मुआवजा राशि की प्रक्रिया के लिए सप्ताहांत पर सभी अधिकारियों को तैनात करने का भी निर्देश दिया ताकि सोमवार को प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में पैसा स्थानांतरित किया जा सके। एनसीटी के शीर्ष नौकरशाह को लिखे एक पत्र में आतिशी ने कहा कि वो हैरान हो गईं जब उन्हें पता चला कि 4,716 प्रभावित परिवारों में से केवल 197 को दिल्ली सरकार द्वारा स्वीकृत अनुग्रह राशि में से रू.10,000 मिले थे। मंत्री ने लिखा कि कैबिनेट द्वारा बाढ़ से प्रभावित परिवारों को रू.10,000 की राहत देने का निर्णय लिए हुए 10 दिन हो गए हैं। लेकिन 10 दिनों में 19 आईएएस और 18 दानिक्स अधिकारी 6 डीएम, 6 एडीएम और 18 एसडीएम के साथ-साथ अभी तक मदद नहीं कर पाए हैं। केवल 4,716 परिवारों के लिए इस राहत पैकेज को संसाधित करने के लिए। मुख्य सचिव ने 15 जुलाई को वरिष्ठ आईएएस और दानिक्स अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी और बचाव कार्यों में जिला अधिकारियों की सहायता के लिए प्रतिनियुक्त किया था। आतिशी ने लिखा कि बाढ़ राहत और पुनर्वास के लिए तैनात अधिकारियों की संख्या को देखते हुए, इनमें से प्रत्येक अधिकारी को 70 परिवारों के लिए राहत की प्रक्रिया करनी थी। इसका मतलब है कि उन्हें प्रति दिन सात परिवारों को राहत प्रदान करनी थी।

शरद पवार पुणे में पीएम मोदी के साथ करेंगे मंच साझा, इंडिया ब्लॉक नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी नेता शरद पवार के पीएम मोदी के साथ मंच सझा करने को लेकर इंडिया ब्लाक के नेता नाराज दिख रहे हैं। गौरतलब है कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायन्स यानि इंडिया की तीसरी बैठक 25 और 26 अगस्त को मुंबई में होने वाली है। लेकिन उससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सुप्रीमो शरद पवार 1 अगस्त को पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करने वाले हैं। इस पर ब्लॉक के कुछ नेताओं ने चिंता जताई है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि शुक्रवार को इंडिया ब्लॉक के फ्लोर लीडर्स की बैठक के दौरान, कुछ सदस्यों ने उस समारोह में पवार के मुख्य अतिथि होने पर चिंता जताई, जिसमें मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना है। सूत्र ने कहा कि ऐसे सुझाव आये कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एनसीपी नेता से बात कर उनसे समारोह में शामिल नहीं होने का अनुरोध कर सकते हैं। सूत्र ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के कुछ नेताओं को लगा कि जब समान विचारधारा वाले विपक्षी दल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। लेकिन पीएम के साथ पवार का मंच साझा करने से बुरा प्रभाव पड़ेगा।

आशंका है कि मोदी के साथ मंच साझा कर पवार इंडिया ब्लॉक की छवि को नुकसान पहुंचाएंगे, जिसे बनाने में बहुत प्रयास करना पड़ा है और इससे लोगों के बीच एक गलत संदेश भी जाएगा। उनका कहना है कि पीएम मोदी ने ईस्ट इंडिया कंपनी की तुलना आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से की है। गौरतलब है कि एनसीपी प्रमुख को तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान पवार मोदी को पुरस्कार सौंपेंगे। इस बीच, इंडिया की तीसरी बैठक 25 और 26 अगस्त को मुंबई में होगी और शिवसेना (यूबीटी) और पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी इसकी मेजबानी करेगी।

मुंबई पर फिर आतंकी हमले का खतरा? आतंकियों के पास मिली चबाड हाउस की तस्वीरें

- मुंबई पुलिस अलर्ट मोड पर, चबाड हाउस की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई (एजेंसी)। एक बार फिर मुंबई पर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है. दरअसल मुंबई के कोलाबा स्थित चबाड हाउस की तस्वीरें आतंकियों ने बनाई हैं. महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आतंकवादियों के पास से कोलाबा के चबाड हाउस की गूगल तस्वीरें बरामद की हैं। इससे मुंबई पुलिस समेत सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है और चबाड हाउस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. एटीएस के मुताबिक, संदिग्ध आरोपी के पास से कोलाबा के चबाड हाउस की कुछ गूगल तस्वीरें बरामद की गई हैं। जिसके बाद चबाड हाउस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. चबाड हाउस में पहले से ही कड़ी सुरक्षा है। कोलाबा पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार को मध्य और बाहरी इलाकों में एक मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई।

कोलाबा में चबाड हाउस पर सुरक्षा

26/11 आतंकी हमले के निशाने पर रहे चबाड हाउस की गूगल पर आतंकियों के पास से तस्वीरें मिली हैं। इन दोनों आरोपियों को हमले की साजिश

रचने के आरोप में राजस्थान से गिरफ्तार किया गया था. उधर, घटना के बाद पुलिस ने कोलाबा के यहूदी सामुदायिक केंद्र (चबाड हाउस) में सुरक्षा बढ़ा दी है। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने इस संबंध में मुंबई पुलिस को जानकारी दी थी. इसके बाद इस जगह पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस की ओर से मॉक ड्रिल भी की गई है.

एटीएस की गिरफ्त में दो आतंकी

एटीएस ने कुछ दिन पहले मोहम्मद इमरान मोहम्मद यूनुस खान और मोहम्मद यूनुस मोहम्मद याकूब साकी को पुणे पुलिस से हिरासत में लिया था. ये दोनों राजस्थान के रतलाम के रहने वाले हैं और अब महाराष्ट्र एटीएस की हिरासत में हैं। इन दोनों आरोपियों पर एनआईए की ओर से पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था. वहीं जांच में यह भी पता चला है कि इस आरोपी का संबंध आतंकी संगठन अल सुफा से है.

यूसीसी पर विधि आयोग को सुझाव देने की विस्तारित समय सीमा समाप्त, 80 लाख से अधिक प्रतिक्रिया प्राप्त

नई दिल्ली। भारतीय विधि आयोग (एलसीआई) ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर जनता से सुझाव प्राप्त करने की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त कर दी और कुल प्रतिक्रियाएं लगभग 80 लाख थीं। कानून पैनल ने यूसीसी पर संगठनों और जनता से 14 जून को प्रतिक्रिया मांगी और प्रतिक्रिया दाखिल करने की एक महीने की समय सीमा 14 जुलाई को समाप्त हो गई। जबरदस्त प्रतिक्रिया और कई अनुरोधों के बाद इसे बढ़ा दिया गया था। आयोग ने पहले कहा था कि वह सभी हितधारकों के इनपुट को महत्व देता है और इसका लक्ष्य एक समावेशी वातावरण बनाना है जो सक्रिय जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। कानून पैनल द्वारा संगठनों से परामर्श करना शुरू करने और यूसीसी पर जनता की राय लेने के कुछ दिनों बाद, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने इस महीने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के संहिताकरण की स्पष्ट आवश्यकता है। उन्होंने विवाह और तलाक कानून और संरक्षकता कानून पर फिर से विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। रेखा शर्मा ने ये बयान एनसीडब्ल्यू द्वारा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों और मुस्लिम पर्सनल लॉ की समीक्षा पर केंद्रित एक कार्यक्रम के दौरान दिया। एलसीआई एक गैर-वैधानिक निकाय है, जिसका गठन भारत सरकार, कानून और न्याय मंत्रालय, कानूनी मामलों के विभाग की एक अधिसूचना द्वारा किया जाता है, जो कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए एक निश्चित संदर्भ अवधि के साथ है। आयोग अपने संदर्भ की शर्तों के अनुसार रिपोर्ट के रूप में सरकार को सिफारिशें करता है।

बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर आप हुई गंभीर, एलजी व गृहमंत्री से लगाई गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर आप ने एलजी तथा गृहमंत्री से हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि दिल्ली के मालवीय नगर में एक कथित नाराज प्रेमी द्वारा 22 वर्षीय युवती की हत्या के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था के हालात पर चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना पर और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट में लिखा क दिल्ली में एक और बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह बहुत दुखद है। दिल्ली में कानून और व्यवस्था एक गंभीर मुद्दा बन गया है। इस क्रूर घटना पर मैं एलजी और गृहमंत्री से पुलिस बल को सक्रिय करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि बेटियों और दिल्ली के लोगों की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। इसी तरह आप के वरिष्ठ नेता और विधायक सोमनाथ भारती ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक दुखद घटना है, जिसने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया है। भारती ने कहा कि निराशाजनक तथ्य यह है कि हत्या मालवीय नगर थाने से महज 100-150 मीटर की दूरी पर हुई। संविधान के अनुसार, दिल्ली में कानून और व्यवस्था, पुलिस और भूमि केंद्र सरकार यानी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के नियंत्रण में हैं। दिल्ली में महिलाओं के लिए अपराध मुक्त और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है केंद्र के प्रतिनिधि एलजी वी.के. सक्सेना की है।

बिना खुदाई ज्ञानवापी परिसर का रहस्य होगा उजागर, आईआईटी करेगी अहम खुलासा

कानपुर (एजेंसी)। आईआईटी कानपुर अब ज्ञानवापी परिसर का बिना खुदाई रहस्य उजागर करने वाली है। इसके लिए आईअईटी कानपुर ने बिना खुदाई के अहम खुलासा करने का ऐलान किया है। गौरतलब है कि वाराणसी का ज्ञानवापी परिसर लोगों के लिए एक रहस्यमय स्थान बन गया है। देश के लोग जानना चाहते हैं कि ज्ञानवापी परिसर में आखिर क्या राज छुपे हुए हैं। इस रहस्य का पता लगाने के लिए आईआईटी के वैज्ञानिक सर्वे में मदद करेंगे। जीपीआर टेक्नोलॉजी के माध्यम से बिना खुदाई किए परिसर के अंदर छिपी वस्तुओं की पहचान करेंगे। आईआईटी के वैज्ञानिक एएसआई के की मददगार की भूमिका में होंगे। फिलहाल कोर्ट ने 3 अगस्त तक सर्वे पर रोक लगा दी है, लेकिन कोर्ट के आदेश के बाद कानपुर आईआईटी की टीम वाराणसी जाएगी। इस मामले में बताया जा रहा है कि कानपुर आईआईटी की

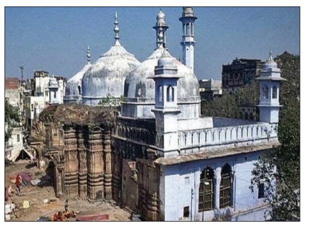

अर्थ साइंस विभाग के प्रोफेसर जावेद एन मलिक और उनकी टीम ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने में मदद करेगी।

जानकारों का कहना है कि ज्ञानवापी में मंदिर तोड़कर मस्जिद का निमार्ण कराया गया था। ज्ञानवापी परिसर के नीचे और दीवारों में इसके प्रमाण छिपे हुए हैं। इसके लिए एएसआई की सर्वे टीम को खोदाई करनी पड़ेगी। वहीं, मुस्लिम पक्ष का तर्क है, खोदाई से प्राचीन इमारत को नुकसान पहुंचेगा, जिससे मस्जिद और आसपास का एरिया क्षतिग्रस्त हो जाएगा। कानपुर आईआईटी की टीम ज्ञानवापी परिसर में बिना किसी छेड़छाड़ के पुरातात्विक महत्व की पड़ताल करेगी। सर्वे के लिए एएसआई ने जीपीआर और रडार की मदद लेने का फैसला किया है। इस टेक्नलॉजी से 10 मीटर तक की गहराई तक का पता लगाया जा सकता है। यह तकनीकि कोई नई नहीं है, लेकिन इसका अपडेट वर्जन बहुत ही कारगर साबित हुआ है। ज्ञानवापी परिसर के सर्वे में जीपीआर तकनीकि की अहम भूमिका होगी। जीपीआर का मतलब है, ग्राउंड पेनीट्रेटिंग रडार जो कि जमीन के अंदर किसी भी प्रकार की वस्तु, कंक्रीट, धातु, पाइप, तार और ढांचे का पता लगा सकती है।

दिल्ली में आप और कांग्रेस कितनी सीटों पर लड़ेगीं मुंबई बैठक में होगा तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी पार्टियों के गठबंधन इंडिया का ऐलान होने के बाद दिल्ली में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। यहां आम आदमी पार्टी इस बार कांग्रेस के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ती नजर आ सकती है। हालांकि, अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं के बीच दिल्ली में साथ मिलकर चुनाव लड़ने के लिए विचार विमर्श का सिलसिला शुरू हो चुका है। जल्द ही सीट बंटवारे का गणित तय हो जाएगा। इसके बाद यह साफ होगा कि दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों में से आप और कांग्रेस कितनी-कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।

आप के लिए लोकसभा चुनाव कई मायनों में अहम हैं। एक ओर जहां पार्टी अपने राष्ट्रीय विस्तार की संभावनाएं तलाश रही है, वहीं दिल्ली में भी लोकसभा चुनाव में अपना खाता खोलकर दिखाना है। आप ने दिल्ली में पिछले दोनों विधानसभा चुनाव बंपर बहुमत से जीते, लेकिन पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में वह अपना खाता तक नहीं खोल सकी। दोनों बार दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें बीजेपी के खाते में चली गईं। यहां तक कि सात में से 5 सीटों पर आम आदमी पार्टी तीसरे नंबर पर रही थी और केवल 18.2 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 22.6 प्रतिशत और बीजेपी को 56.9 प्रतिशत वोट मिले थे। अन्य के खाते में 2.3 प्रतिशत वोट गए थे। इसके बाद कांग्रेस के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने में आप को भी फायदा मिलता नजर आ रहा है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बताया है कि इंडिया का गठन ही इस मकसद से हुआ है कि सभी विपक्षी दल एकजुट होकर बीजेपी का मुकाबला करें। इसके बाद यह लगभग तय है कि दिल्ली में लोकसभा चुनाव आप और कांग्रेस मिलकर लड़ने वाले हैं। हालांकि, कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा, इसका फॉर्म्युला मुंबई में होने वाली विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक के बाद तय होने की उम्मीद है। आप दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी यह देखेगी कि कितनी सीटों पर उसके जीतने की उम्मीद हैं। उसी आधार पर सीट शेयरिंग फॉर्म्युला तय किया जाएगा। कोशिश यही रहेगी कि कोई भी एक दल दूसरे दल पर हावी ना हो और दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एक-दूसरे की जीत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर सकें।

जहां तक दिल्ली का सवाल है, तब यहां की राजनीतिक स्थिति को देखकर आप 5-2 के फॉर्म्युले पर काम करती दिख रही है। इसके तहत 5 सीटों पर आप और 2 सीटों पर कांग्रेस

चुनाव लड़ सकती है। वहीं कांग्रेस पिछले लोकसभा चुनाव में अपने परफॉर्मेंस के आधार पर 4-3 के फॉर्म्युले को मनवाने का प्रयास कर सकती है, ताकि दिल्ली में पार्टी अपना खोया हुआ जनाधार हासिल करने का अवसर मिल सके। हालांकि, आम आदमी पार्टी के सूत्रों ने यह साफ कर दिया है कि गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए ही है। विधानसभा चुनाव दोनों पार्टियां अपने दम पर ही लड़ेंगी।

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों के मारे जाने की आंशका

क्वींसलैंड । ऑस्ट्रेलिया से हेलीकॉप्टर क्रैश की घटना सामने आई है। केंद्रीय रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) का एक हेलीकॉप्टर क्वींसलैंड के तट के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, इसमें चार लोगों के मारे जाने की आशंका है। चारों विमान चालक दल का अबतक कोई पता नहीं चला हैं। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री मार्लेस ने कहा कि एमआरएच-90 ताइपन क्वींसलैंड के हैमिल्टन द्वीप के पास उपोष्णकटिबंधीय पानी में गिर गया। मार्लेस ने कहा, चारों विमान चालक दल का अबतक कोई सुराग नहीं मिला है। यह हादसा तब हुआ जब टैलिसमैन सेबर अभ्यास अपने दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर रहा था। फिलहाल घटनास्थल पर खोज और बचाव प्रक्रिया जारी है। टैलिसमैन सेबर अभ्यास बड़े पैमाने पर रसद, भूमि युद्ध, उभयचर लैंडिंग और हवाई संचालन का परीक्षण करने और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों की ताकत का संकेत देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस अभ्यास में जापान, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण कोरिया भी भाग ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में अपने सशस्त्र बलों में बड़े पैमाने पर बदलाव कर रहा है और चीन जैसे संभावित दुश्मनों को दूर रखने के प्रयास में लंबी दूरी की मारक क्षमता की ओर बढ़ रहा है। घटना से पहले ही, कैनबरा ने घोषणा की थी कि वह अपने पुराने ताइपन हेलीकॉप्टरों के बेड़े को अमेरिका निर्मित ब्लैक हॉक्स से बदल देगा।

ब्रिटेन में नस्लीय भेदभाव 150 भारतीय छात्र फेल, श्वेत सभी छात्र पास

लंदन । ब्रिटेन में नस्लीय भेदभाव बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। अब यह यूनिवर्सिटी तक पहुंच गया है। ब्रिटेन के लेस्टर की ड मांटफोर्ट यूनिवर्सिटी में एमटेक कर रहे, सभी 150 भारतीय छात्रों को एक पेपर में फेल कर दिया गया। एमटेक की परीक्षा देने वाले 200 छात्र थे। जिसमें 150 भारतीय छात्र थे। 50 छात्र श्वेत थे। सभी 50 श्वेत छात्र पास हो गए। सभी भारतीय छात्रों को फेल कर दिए गया । फेल होने वाले छात्र अब पुन: पेपर नहीं दे पाएंगे। कॉपी जांचने वाले अंग्रेज अध्यापक था। एमटेक की फीस के रूप में भारतीय छात्रों से मांटफर्ट यूनिवर्सिटी को अब तक 15 करोड़ रुपए फीस के रूप में मिल चुके हैं ।भारतीय छात्रों ने यूनिवर्सिटी द्वारा किए जा रहे,भेदभाव की शिकायत करते हुए इसकी शिकायत की है ।मांटफोर्ट यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों को सबक सिखाने के लिए जान बूझकर फेल किया है। कॉपी जांचने वाला भी एक अंग्रेज अध्यापक था। उन्होंने अपना गुस्सा उतारने के लिए भारतीय छात्रों को अपना शिकार बनाया। यह नस्लीय भेदभाव ब्रिटेन में हो रहा है।

छोटे रोबोट फेफड़े में जाकर कैंसर को नियंत्रित करेंगे

लंदन । ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक ऐसे छोटे रोबोट को तैयार किया है। जो कैंसर के इलाज के लिए बड़ी भूमिका का निर्वाह करेगा। वैज्ञानिकों ने जो छोटा रोबोट विकसित किया है। वह फेफड़ों में गहराई तक जाकर कैंसर के लक्षणों का पता लगाएगा। उसके बाद कैंसर का उपचार भी करेगा नेचर इंजीनियरिंग कम्युनिकेशन में गुरुवार को शोध प्रकाशित हुआ है। उसके अनुसार वैज्ञानिकों ने अल्ट्रा- साफ्ट टेंटेकल नाम का रोबोट बनाया है। यह मात्र 2 मिलीमीटर का है ।इसे चुंबक के सहारे नियंत्रित किया जाता है। यह सबसे छोटी ब्रौंकियल में पहुंचकर फेफड़ों के कैंसर के उपचार में मददगार साबित होगा। इस रोबोट के माध्यम से फेफड़ों मे कैंसर के कारण होने वाली मौतों से मरीजों को बचाया जा सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र में इसे बड़ी उपलब्धि बताया जा रहा है।

पाकिस्तान में भारी बारिश से 48 घंटे में 14 लोगों की मौत

इस्लामाबाद । राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कहा कि पूरे पाकिस्तान में बारिश से जुड़ी घटनाओं में पिछले दो दिन के दौरान करीब 14 लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, एनडीएमए ने कहा कि मानसून की बारिश की कहर से पहाड़ी इलाकों में बाढ़ आ गई है, शहरी इलाके जलमग्न हो गए हैं और देश भर में घर नष्ट हो गए हैं। पख्तूनख्वा में छह, बलूचिस्तान में पांच, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में दो और सिंध में एक व्यक्ति की जान चली गई। भारी मानसूनी बारिश का दौर लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा। इससे देश के कुछ हिस्सों, खासकर पहाड़ी इलाकों में भारी तबाही हुई है। पाकिस्तान मौसम विभाग ने भी रेड अलर्ट जारी कर कहा कि 30 जुलाई तक देश के ऊपरी और मध्य हिस्सों में भारी मानसूनी बारिश होने की संभावना है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन हो सकता है। मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने 804 घरों को भी नुकसान पहुंचाया और 44 मवेशियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 जून से देश में भारी बारिश शुरू हुई है। तब से अब तक कम से कम 169 लोगों की जान चली गई और 256 घायल हो गए। कम से कम 1,404 घर क्षतिग्रस्त हो गए और 374 मवेशी मारे गए हैं।

चीन में पुलिस की तस्वीरें खींचना शख्स को पड़ गया भारी, जेल में गुजारने पड़े 1400 दिन

बीजिंग । साल 2019 में ताइवान के व्यवसायी ली मेंग-चू को दक्षिणी चीनी शहर शेन्ज़ेन में पुलिस अधिकारियों की तस्वीरें क्लिक करने के बाद गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें जासूसी के आरोप में और 'राज्य के रहस्यों को चुराने' के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि उन्होंने इस आरोप से इनकार किया है। ली आखिरकार आज़ाद हो गए। वह बीजिंग से टोक्यो के लिए एक विमान में सवार हुए, जहां वह ताइवान के झंडे वाला फेस मास्क पहनकर पहुंचे। ली को 1,400 दिनों से अधिक समय तक चीन में रखा गया। उन्होंने टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पर कहा कि जब मैं अभी आप्रवासन से गुज़रा तो मैं लगभग रो पड़ा। मैं वहां कभी नहीं लौटूंगा। वाशिंगटन पोस्ट के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, उन्होंने प्रत्यक्ष विवरण को याद किया कि कैसे चीनी कानून प्रवर्तन किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ मामला बनाने के लिए जबरदस्ती, धमकियों और चालबाजी का उपयोग करता है, जिसके बारे में उन्होंने फैसला किया है कि उसने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रेड लाइन को क्रॉस कर दिया है।

2019 में क्या हुआ?

2019 में ली ने एक कार्य यात्रा पर चीन का दौरा किया और उस समय, वह एक टेक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। चीन उनके लिए कोई नई जगह नहीं थी क्योंकि उन्होंने पहले भी काम किया था और वह साल में लगभग दो बार मुख्य भूमि चीन की यात्रा भी करते थे। संयोग से जब उन्होंने चीन का दौरा किया, तो तनाव चरम पर था क्योंकि हांगकांग लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों की चपेट में था। अपनी चीन यात्रा से ठीक पहले, ली ने कहा कि उन्होंने हांगकांग में एक संक्षिप्त प्रवास किया, जहां उन्होंने किनारे से एक रैली देखी और समर्थन के संदेशों के साथ पर्चे बांटे। फिर, वह एक सहकर्मी से मिलने के लिए मुख्य भूमि चीन में पड़ोसी शेन्ज़ेन गए।

बुजुर्गों के साथ जालसाजी करने वाले भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई सजा

लंदन । ब्रिटेन में एक भारतीय मूल के व्यक्ति को जालसाजी के आरोप में जेल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार वह पुलिसकर्मी और बैंक कर्मचारी बनकर बुजुर्ग पीड़ितों से ?मिला था, उसे 2 लाख 60 हजार पाउंड से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में आठ साल जेल की सजा सुनाई गई है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया ?कि किशन भट्ट को नवंबर 2022 में दोषी ठहराए जाने के बाद धोखाधड़ी के नौ मामले में स्नारेसब्रुक क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई गई। सितंबर 2020 और मई 2022 के बीच, भट्ट ने नौ पीड़ितों को निशाना बनाया, जिनकी उम्र 29 से 90 वर्ष के बीच थी। भट्ट ने बैंक कर्मचारी, मकान मालिक और पुलिस अधिकारी के रूप में लोगों को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार एक बार जब उसने उनका विश्वास हासिल कर लिया, तो उसने उनके खातों से पैसे ट्रांसफर कर दिए। 6 अक्टूबर से 2 दिसंबर, 2021 के बीच, भट्ट ने 147,000 पाउंड का लाभ कमाने के लिए एक पुलिस अधिकारी और बैंक कर्मचारी के रूप में खुद को पेश किया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस स्पेशलिस्ट क्राइम की आर्थिक अपराध टीम के जासूसों ने 2022 में कोलचेस्टर में 90 वर्षीय पीड़िता से उसके घर के पते पर मुलाकात की।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य ली होंगज़ोंग प्योंगयांग, उत्तर कोरिया में मिलते समय पोज़ देते हुए।

अंजू को पाकिस्तान में गिफ्ट में मिला 40 लाख का घर

इस्लामाबाद । फेसबुक वाले प्यार के लिए भारत से पाकिस्तान गई अंजू अब शायद ही वापस लौटे। दावा किया जा रहा है कि नसरुल्लाह से निकाह करने के बाद अंजू को पाकिस्तान के जाने-माने बिजनेसमैन ने 10वीं मंजिल पर एक फ्लैट दिया है। बाजार में इस फ्लैट की कीमत 40 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। ऐसे में अंजू के भारत लौटने पर आशंका जताई जा रही है। अंजू ने पहले भी इंटरव्यू में भारत वापस न लौटने की ओर इशारा किया है। तब अंजू ने कहा था कि अब भारत में उसके लिए कुछ नहीं बचा है। उसने दावा किया था कि भारत में उसकी सुरक्षा को खतरा है। अंजू ने एक टीवी चैनल के साथ इंटरव्यू में आरोप लगाया था कि भारत में मेरे खिलाफ तरह-तरह की बातें हो रही है। ऐसे में भारत लौटने पर मेरी सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा। अंजू ने कहा था कि वह अगर भारत लौटती है तो अब न तो उसके रिश्तेदार स्वीकार करेंगे और न ही उसके बच?चे अपनाएंगे। अंजू ने यह भी दावा किया था कि वह पाकिस्तान में पूरी तरह से सुरक्षित है। अंजू इन दिनों नसरुल्लाह के साथ पाकिस्तान की सैर कर रही है। अंजू ने अपने फेसबुक वाले प्रेमी नसरुल्लाह के साथ निकाह के दावे को खारिज किया है। उसने यह भी कहा था कि मैंने कोई धर्म परिवर्तन नहीं किया है। हालांकि, अंजू के दावे पर किसी को यकीन नहीं है, क्योंकि वह कई बार झूठ बोल चुकी है।

कार्यवाहक पीएम की नियुक्ति पर बवाल, पांच नाम शॉर्टलिस्ट, 90 दिनों में चुनाव संभव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में मौजूदा प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का कार्यकाल अगले महीने खत्म हो रहा है, अब पड़ोसी देश में नए कार्यवाहक प्रधानमंत्री के नाम को लेकर हंगामा मचा हुआ है। इसके साथ ही नवंबर में आम चुनाव का प्रस्ताव भी रखा गया है। इतने लंबे समय तक देश के मामलों को संभालने के लिए एक कार्यवाहक सरकार का गठन करना होगा। ऐसे में सत्तारूढ़ पीडीएम गठबंधन में कार्यवाहक सरकार के चुनाव को लेकर खींचतान चल रही है।

गठबंधन दलों ने कुल पाँच नेता चुने

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी इस मुद्दे पर दुबई में नवाज शरीफ के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। इस बीच दावा किया गया है कि गठबंधन दलों ने कुल पांच नेताओं को चुना है, जिनमें से एक को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के मुताबिक, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने फैसला किया है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री पद के लिए एक राजनेता का चयन किया जाएगा और पांच नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है. हालांकि, उन्होंने अंतिम फैसले के लिए कोई तारीख नहीं बताई। ख्वाजा आसिफ ने सिर्फ इतना कहा कि पीपीपी और पीएमएल-एन ने चार से पांच नाम फाइनल कर लिए हैं, जिन पर बाकी पार्टियों से चर्चा की जाएगी और एक नाम एक हफ्ते में फाइनल कर लिया जाएगा।

90 दिनों के भीतर चुनाव संभव

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने ये भी कहा कि मेरे हिसाब से 90 दिनों में चुनाव हो जाना चाहिए और ये हमारे लिए उपयुक्त भी है. मेरी निजी राय है कि चुनाव 90 दिन से पहले हो जाने चाहिए. मुझे लगता है कि नेशनल असेंबली अपने कार्यकाल से दो दिन पहले भंग कर दी जाएगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो कार्यवाहक प्रधानमंत्री पद के लिए वित्त मंत्री इशाक डार का नाम प्रस्तावित किया और न ही किसी स्तर पर कोई इच्छा व्यक्त की. उन्होंने कहा कि डार ने कभी किसी मंच पर ऐसी मंशा जाहिर नहीं की।

जो बाइडेन ने अपने 7वें ग्रैंड चाइल्ड को सार्वजनिक रूप से स्वीकारा

-4 साल की बच्ची बाइडेन के बेटे हंटर की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने 7वें ग्रैंड चाइल्ड को सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर लिया। यह 4 साल की बच्ची बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन की है। दरअसल, हंटर की यह बेटी 2018 में हंटर की महिला मित्र लुंडेन रॉबर्ट्स से जन्मी थी। इस मामले को राष्ट्रपति ने पारिवारिक मामला बताया था। उन्होंने कहा, मेरा बेटा हंटर और लुंडेन उस रिश्ते को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, जो उनकी बेटी नेवी के सर्वोत्तम हित में है। जितना संभव हो सके उसकी गोपनीयता सुरक्षित रखी जाए।

जो बाइडेन ने कहा, मैं और जिल केवल यही चाहते हैं कि हमारे सभी पोते-पोतियों के लिए सब अच्छा हो। राष्ट्रपति के बेटे हंटर ने 2021 में लुंडेन के साथ हुई मुलाकात के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा, मुझे हमारी मुलाकात के बारे में इतना याद नहीं है। इस तरह मेरा किसी के साथ बहुत कम संबंध था। यह एक गड़बड़ी थी, लेकिन यह एक ऐसी गड़बड़ी है जिसकी मैंने जिम्मेदारी ली है। यह तब हुआ जब मैं क्रैक कोकीन सहित शराब और नशीली दवाओं की लत में था। हंटर बाइडेन के 4 अन्य बच्चे हैं।

उनका एक बेटा है ब्यू, जिसका जन्म उनकी पत्नी मेलिसा कोहेन से 2020 में हुआ था। ब्यू का नाम राष्ट्रपति जो बाइडेन के दिवंगत बेटे के नाम पर रखा गया था, जिनकी 2015 में कैंसर से मृत्यु हो गई थी। जो बाइडेन के पोते-पोतियों ने उनके राष्ट्रपति पद पर आसीन होने में एक विशिष्ट भूमिका निभाई है। वे अक्सर राष्ट्रपति बाइडेन या प्रथम महिला जिल के साथ यात्राओं पर जाते हैं और व्हाइट हाउस का नियमित दौरा करते हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2020 में कहा था कि तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए उन्हें मनाने का श्रेय उनके पोते-पोतियों को जाता है।

धरती पर जुलाई का महीना हुआ सबसे गर्म साबित

-ग्लोबल वॉर्मिंग नहीं अब उबल रही है धरती!

एथेंस (एजेंसी)। ताजा अध्ययन में दावा किया गया है कि कई लाख साल बाद जुलाई का महीना इतना गर्म है। धरती पर यह महीना सबसे गर्म साबित हुआ है। दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्रसंघ (यूएन) के मुखिया एंटोनियो गुतारेस ने कहा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग तो अब बीते जमाने की बात हो गई है।

अब धरती उबलने लगी है। उत्तरी अमेरिका, चीन और यूरोप पर पड़ रही भयानक गर्मी के बाद वैज्ञानिकों ने कहा है कि इतनी गर्मी धरती पर कभी नहीं देखी गई है। यूएन के मौसम विभाग और यूरोपियन यूनियन की जलवायु परिवर्तन सेवा के वैज्ञानिकों ने एक अध्यन के बाद कहा है कि जुलाई 2023 असाधारण तौर पर गर्मी का एक नया रिकॉर्ड बनाने की तरफ है। दोनों ही एजेंसियों की तरफ से आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई के अंत में इतनी ज्यादा गर्मी ने सभी रिकॉर्ड तोड दिए हैं। वैज्ञानिकों ने पेड़, मूंगा की चट्टानों और कई और स्त्रोतों से इकट्ठा किए गए आंकड़ों के आधार पर यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि यह तापमान पृथ्वी पर लगभग 1,20,000 वर्षों में अनुभव किया गया सबसे ज्यादा तापमान है।

दोनों एजेंसियों की तरफ से आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई खत्म होने वाला है लेकिन इतनी गर्मी कभी नहीं देखी गई है। पहले 23 दिनों के लिए औसत हवा का तापमान 16.95 डिग्री सेल्सियस या 62.51 फारेनहाइट है, जो 16.63 डिग्री के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया है और जुलाई 2019 में इसे रिकॉर्ड किया गया था। जुलाई की गर्मी का असर दुनिया भर में देखने को मिला है। हजारों पर्यटक ग्रीस के रोड्स पर लगी जंगल की आग में फंस गए। कई और लोगों को अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम में भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। वहीं, उत्तर पश्चिमी चीन की एक बस्ती में तापमान 52.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसने चीन में पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इस स्थिति पर यूएन के मुखिया एंटोनियो गुतारेस का भी बयान आया। उन्होंने गुरुवार को जलवायु परिवर्तन पर तुरंत ही कार्रवाई करने की अपील की है। उनका कहना है कि जुलाई में रिकॉर्ड तोड़ने वाला तापमान दिखाता है कि धरती ग्लोबल वार्मिंग अब बदल गई है।

ताइवान को अमेरिकी सैन्य मदद से गुस्साया ड्रैगन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ताइवान के लिए 345 मिलियन डॉलर के सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है। इसके तहत कई तरह के हथियार, एंटी एयरक्राप्ट सिस्टम और घातक ड्रोन शामिल हैं। ताइवान को अमेरिकी सैन्य सहायता मिलने पर ड्रैगन गुस्सा गया है। ताइवान शुरू से ही चीन की दुखती नस रहा है। इसके बाद ताइवान के साथ किसी भी विदेशी संबंध का चीन खुलकर विरोध करता है। चीन पहले भी ताइवान को सैन्य सहायता देने को लेकर अमेरिका को चेतावनी दे चुका है। लेकिन, हाल के दिनों में चीनी सेना की तैयारियों को देखकर ताइवान पर हमले की आशंका है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा कि ताइवान को दिए जाने वाले सैन्य पैकेज में रक्षा सामग्री, सैन्य शिक्षा और प्रशिक्षण शामिल होगा। व्हाइट हाउस की घोषणा में उपलब्ध कराए जाने वाले हथियारों या उपकरणों के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से कहा कि आपूर्ति में पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम और टोही उपकरण शामिल हैं। ताइवान ने बाइडन प्रशासन को इन हथियारों की खरीद को लेकर कई महीनों पहले लिस्ट सौंपी थी। इसमें नॉर्वेजियन एडवांस्ड सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम भी शामिल था। अमेरिकी ऐलान पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि जरूरत पड़ी तब हम ताइवान को बलपूर्वक शामिल करने से भी पीछे नहीं हटने वाले हैं। वाशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने कहा कि अमेरिका को ताइवान को हथियार बेचना बंद करना चाहिए और नए कारक बनाना बंद करना चाहिए जिससे ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव पैदा हो सकता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने भी ताइवान को हथियार देने पर अमेरिका पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। मंत्रालय ने धमकाते हुए कहा है कि अमेरिका आग से खेल रहा है, जिसमें वह खुद जल सकता है। अमेरिका आधिकारिक तौर पर ताइवान को मान्यता नहीं देता है। वर्तमान में दुनिया के सिर्फ 13 देश ही ताइवान को देश के तौर पर स्वीकारते हैं। हालांकि, ताइवान ट्रेड ऑफिस के नाम से दुनियाभर के देशों से जुड़ा हुआ है, जिसमें भारत भी शामिल है। ताइवान की विदेशी संपर्क को देखकर चीन ने सैन्य घुसपैठ को तेज कर दिया है। चीनी लड़ाकू विमान और युद्धपोत लगातार ताइवान में घुसपैठ कर रहे हैं। इसकारण ताइवान अपनी सुरक्षा को बढ़ाने में जुटा हुआ है। इस बीच चीन ने इस महीने की शुरुआत में ताइवान के पास एक बड़ा सैन्य अभ्यास किया था।

ट्रंप पर कैमरा फुटेज को हटाने का आरोप

न्यूर्याक । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट मामले में तीसरा आरोप लगा है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने वर्गीकृत दस्तावेजों की जांच में बाधा डालने के प्रयास में एक कर्मचारी को अपने फ्लोरिडा एस्टेट में कैमरा फुटेज को हटाने के लिए कहा। ट्रम्प ने वर्गीकृत दस्तावेजों के अपने कब्जे की संघीय जांच में बाधा डालने के प्रयास में एक कर्मचारी को कैमरा फुटेज को हटाने के लिए कहा, इसके बाद फेडरल कोर्ट की तरफ से तीसरा आरोप लगाया गया। ट्रंप पर ईरान पर हमले की अमेरिकी सैन्य योजना से जुड़े क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट को छिपाए रखने का भी आरोप है। अभियोग में बाधा डालने और राष्ट्रीय रक्षा जानकारी को जानबूझकर बनाए रखने के मामले ने उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ा दी है। भले ही वह 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने के अपने प्रयासों पर वाशिंगटन में संभावित अतिरिक्त अभियोग के लिए तैयार हैं। नए आरोपों के साथ ट्रंप को कुल मामले में कुल 40 आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप के खिलाफ सबसे गंभीर मामलों में अधिकतम 20 साल की जेल की सजा का प्रावधान है। ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित परिसर में निगरानी फुटेज लंबे समय से जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, क्योंकि अभियोजन पक्ष के अनुसार इन फुटेज में यह नजर आ रहा है कि नाउटा दस्तावेजों के बक्सों को भंडार कक्ष से हटा रहा है। बक्सों को हटाने का यह काम संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और न्याय विभाग के अधिकारियों के आने से एक दिन पहले भी हुआ था। ट्रंप के प्रवक्ता ने नए आरोपों को खारिज कर कहा कि यह ट्रंप और उनके आस पास मौजूद लोगों का उत्पीड़न करने और 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के इरादे से राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन द्वारा 'हताशापूर्ण और असफल प्रयास के अलावा कुछ नहीं है।

भारत की नाक के नीचे चीन खोद रहा गड्ढा, ब्रिटिश स्टडी में हुआ खुलासा

-अंतरराष्ट्रीय व्यापार की रक्षा के लिए ड्रेगन ने श्रीलंका और पाकिस्तान को बनाया सैन्य अड्डा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन अपनी चाल चल रहा और भारत को भनक तक नहीं लगी। हालांकि यह खुलासा ब्रिटिश स्टडी में शोधकर्ताओं ने किया है, जिस पर यकीन किया जाए तो यह चौंकाने वाली बात है। शोध के अनुसान चीन, श्रीलंका और पाकिस्तान में विदेशी सैन्य अड्डा स्थापित करने जा रहा है। इस तरह से चीन भारत की नाक के नीचे गड्ढ खोद रहा है। हालांकि ये दोनों देश चीन के कर्ज तले दबे हुए हैं। ऐसे में इन दोनों देशों की आंतरिक और बाहरी नीति चीन ही तय करता है। अब एक नई स्टडी में बताया गया है कि चीन, श्रीलंका और पाकिस्तान में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर दूसरा विदेशी सैन्य अड्डा स्थापित करने की तैयारी में है। इन दोनों देशों में चीनी वाणिज्यिक कंपनियों ने उपभोक्ता वस्तुओं जैसे तेल, अनाज और रेयर अर्थ ऑब्जेक्ट्स के निर्यात और आयात जैसी चीजों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार की रक्षा के लिए बंदरगाह और उसके बुनियादी ढांचे के निर्माण में सबसे अधिक निवेश किया है। चीन का एकमात्र विदेशी सैन्य अड्डा अफ्रीकी देश जिबूती में है। गौरतलब है कि चीन के पास दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है, जिसमें लगभग 500 जहाज शामिल हैं। चीनी नौसेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी ने 2016 में 590 मिलियन डॉलर की लागत से पूर्वी अफ्रीका के जिबूती में अपना पहला विदेशी सैन्य अड्डा स्थापित किया था। इस सैन्य अड्डे पर चीनी नौसेना के 2000 से अधिक जवान और कई युद्धपोत हमेशा तैनात रहते हैं।

चीन के अनुसार, इनका प्राथमिक उद्देश्य आसपास के जल क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले चीनी मालवाहक जहाजों को समुद्री डाकुओं के हमलों से बचाना है। हालांकि, पिछले एक साल के अंदर चीन ने जिबूती के नौसैनिक अड्डे का काफी विस्तार किया है। यह अड्डा अब एक मजबूत सुरक्षा वाले किले में बदल चुका है। शुरुआत में चीन ने कहा था कि इस सैन्य अड्डे का इस्तेमाल अरब सागर और हिंद महासागर में तैनात चीनी नौसेना के लिए एक रिसप्लाई डिपो के तौर पर किया जाएगा। हालांकि, चीन ने यहां पर युद्धपोतों की भी तैनाती शुरू कर दी है। स्टडी के अनुसार, वर्तमान में चीन दुनियाभर के आठ देशों के बंदरगाहों पर नजर गड़ाए हुए है। इनमें श्रीलंका सबसे ऊपर है। ऐसी संभावना है कि इस साल के अंत तक चीन श्रीलंका में अपना अगला विदेशी सैन्य अड्डा स्थापित करने का ऐलान कर सकता है।

इस स्टडी का नाम वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देनाः चीन के बंदरगाहों के पदचिह्न और भविष्य के विदेशी नौसैनिक अड्डों के लिए निहितार्थ है। इसे वर्जीनिया में विलियम एंड मैरी

कॉलेज और एडडेटा लैब के शोधकर्ताओं ने तैयार किया है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने 46 देशों में 78 अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का आकलन किया, जहां पीएलए नौसेना भविष्य में अपने हितों को साध सकती है। इस रिपोर्ट में बंदरगाहों का मूल्यांकन उनकी रणनीतिक स्थिति, नौसैनिक जहाजों के लिए बंदरगाह की गहराई, मेजबान देश में राजनीतिक स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र महासभा में चीन के साथ मतदान करने की मेजबान सरकार की प्रवृति के आधार पर किया गया है।

अमृतकाल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति

धर्मेन्द्र प्रधान

अमृत काल के अंतर्गत विकसित भारत का स्वप्न, अमृत पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करके ही साकार किया जा सकता है। कामकाजी आयु वर्ग में हमारी लगभग 65 प्रतिशत आबादी के साथ, हमें एक ऐसी उम्र के लिए रूपरेखा तैयार करनी चाहिए जिसमें आजीवन सीखने और कौशल की आवश्यकता हो। वसुधैव कुटुंबकम की भावना से प्रेरित होकर भारत 21 वीं सदी का वास्तविक नेता बनने के मार्ग पर है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस परिवर्तन को वर्तमान वास्तविकता से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वैश्विक नागरिक बनाने के दृष्टिकोण के साथ भारत की ज्ञान परंपराओं पर जोर देकर, इसमें विश्व स्तर पर कहीं भी ज्ञान-आधारित समाज बनाने के लिए एक मार्गदर्शक बनने की क्षमता है, खासकर गरीब और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए जो उपनिवेश की छाया से मुक्त होना चाहते हैं।

ज्ञान शक्ति है। भारत की समृद्ध ज्ञान क्षमता वेदों और उपनिषदों में स्पष्ट है। यह वैदिक ग्रंथ सदियों से ज्ञान के विशाल स्त्रोत के रूप में कार्य कर रहे हैं। नालंदा और तक्षशिला जैसे हमारे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालय हमारी धरोहर हैं। यह अकाट्य सत्य है कि भारत अतीत में अंतरराष्ट्रीय ज्ञान का केंद्र रहा है। समय के साथ, भारत की ज्ञान शक्ति और संपदा ने मुगल, मंगोल, ब्रिटिश, डच और पुर्तगालियों सहित बहुत लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जिन्होंने इतिहास की विभिन्न अवधियों में भारत पर आक्रमण किया, जिसके परिणामस्वरूप भारत के ज्ञान संपदा की भी अत्यधिक हानि हुई। लेकिन यह सर्वविदित और स्वीकृत तथ्य है कि आक्रमणकारी हमारी भूमि को लूट सकते थे और हमारे विश्वविद्यालयों को नष्ट कर सकते थे, लेकिन वे हमारी भूमि के गुरुओं और योगियों से सदैव पराजित हुए।

दूसरी औद्योगिक क्रांति के दौरान ब्रिटेन ने दुनिया का नेतृत्व किया, जबकि तीसरी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व अमेरिका ने किया। आज जब भारत, ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तो अब समय आ गया है कि यह एक बार फिर ज्ञान का केंद्र बन जाए और नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में तेजी से हो रही वृद्धि के साथ अब चौथी औद्योगिक क्रांति में दुनिया का नेतृत्व करे।

इन अपेक्षित परिवर्तनों के बीच 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की वैश्विक ज्ञान महाशक्ति में बदलने का दृष्टिकोण सामने रखा। 260 मिलियन से अधिक स्कूल जाने वाले बच्चों और 40 मिलियन से अधिक उच्च शिक्षा प्राप्त छात्रों के साथ, भारत की शिक्षा प्रणाली वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। आम जनता सहित हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा के पश्चात 34 वर्ष के अंतराल के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का शुभारंभ किया गया। जैसे-जैसे हम 29 जुलाई, 2023 के करीब पहुंच रहे हैं, हम शिक्षा पर एक 'महाकुंभ' दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ मना रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पिछले तीन वर्ष महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साक्षी हैं। भारत के इतिहास में पहली बार, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) को औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में एकीकृत किया गया है। इस साक्ष्य को मान्यता देते हुए कि बच्चे के संपूर्ण मस्तिष्क का 80 प्रतिशत से अधिक विकास आठ वर्ष की आयु से पहले होता है। इसके अतिरिक्त, 3-8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बुनियादी स्तर के पहले राष्ट्रीय पाठ्यचर्या

रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) के विकास में खेल-आधारित शिक्षाशास्त्र पर बल दिया गया है। इस रूपरेखा में बातचीत, कहानियां, संगीत, कला, शिल्प, खेल, क्षेत्रीय प्राकृतिक यात्राएं और सामग्री एवं खिलौनों के साथ इंटरैक्टिव खेल जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। इस दृष्टिकोण के एक उदाहरण के रूप में जादुई पिटारे (जादुई बक्सा) को स्कूलों को अपनाने के लिए तैयार किया गया है।

एनसीएफ-एफएस पर आधारित कक्षा 1 और 2 के लिए पाठ्यपुस्तकें जारी की गई हैं, जो 2026 तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय निपुण भारत मिशन की पूरक हैं। स्कूली शिक्षा के लिए आगामी नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन (एनसीएफ-एसई) के अनुरूप लगभग 150 नई पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। ये अमृत काल की पुस्तकें होंगी और एनईपी-2020 के तहत बहुभाषी शिक्षा के दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए इन्हें कम से कम 22 भारतीय भाषाओं में विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ई-विद्या के माध्यम से पाठ्य-पुस्तकों के डिजिटल संस्करणों को सुलभ बनाया जा रहा है, जिससे न्यायसंगत और ऑन-डिमांड पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। एनईपी की सही भावना का प्रतिनिधित्व करने वाले उभरते भारत के लिए पीएम श्री स्कूल भी पूरे देश में स्थापित किए जा रहे हैं।

एनईपी 2020 ने सामान्य शिक्षा के साथ अपने एकीकरण और मुख्यधारा के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया है। हम स्कूल स्तर पर कौशल कार्यक्रम का शुभारंभ करने के लिए समग्र शिक्षा और कौशल भारत मिशन के बीच सामंजस्य बना रहे हैं। छात्रों और स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों को व्यापक कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए स्कूलों में 5000 कौशल केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, एक एकीकृत राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) पेश किया गया है जो स्कूल, उच्च और कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण क्षेत्रों में औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा को क्रेडिट रखता है। एनसीआरएफ विभिन्न स्तरों पर एकाधिक प्रवेश और निकास को सक्षम बनाता है, जिससे छात्रों को अपने जीवन में किसी भी समय उच्च शिक्षा प्रणाली में फिर से प्रवेश करने की अनुमति मिलती है। मान्यता के लिए क्रेडिट छात्र के अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में जमा हो जाएगा।

प्रौद्योगिकी छात्रों को ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रम हासिल करने में सक्षम बना रही है, शिक्षार्थियों को अधिक सुग्राहयता प्रदान कर रही है और विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ा रही है। अब स्वयं पोर्टल पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से भी क्रेडिट अर्जित किया जा सकता है और जल्द ही, भारत में अपनी तरह की एक डिजिटल यूनिवर्सिटी स्थापित की जाएगी।

मांग आधारित कौशल को सक्षम करने, एमएसएमई सहित नियोक्ताओं के साथ जुड़ने और उद्यमिता योजनाओं तक पहुंच की सुविधा के लिए एकीकृत इकोसिस्टम को और भी मजबूत किया गया है। हम कौशलपूर्ण उम्मीदवारों की वैश्विक गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने पर भी कार्य कर रहे हैं। युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और कुशल कार्यबल के लिए विदेशी अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से 30 भारत अंतर्राष्ट्रीय कौशल केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उद्योग 4.0 की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से तैयार 330 से अधिक वर्तमान समयानुरूप पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं।

शिक्षण में भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए कई उच्च शिक्षा संस्थान अब कई भारतीय भाषाओं में तकनीकी कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। एआई अनुवाद उपकरण विभिन्न भारतीय भाषाओं में पाठ्य-पुस्तकों के अनुवाद की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। जेईई, एनईईटी और सीयूईटी जैसी प्रमुख प्रवेश परीक्षाएं अब 13 भाषाओं में उपलब्ध हैं।

शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के क्षेत्र में, भारत के संस्थान विदेशों में परिसर स्थापित कर रहे हैं जबकि आईआईटी मद्रास का जांजीबार (तंजानिया) में अपने नियोजित परिसर के साथ वैश्विक रूप से विस्तार हो रहा है, इस महीने के प्रारंभ में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात में आईआईटी दिल्ली के परिसर को स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। उल्लेखनीय विदेशी विश्वविद्यालय भी गुजरात की गिफ्ट सिटी में अपने परिसर स्थापित कर रहे हैं, और निकट भविष्य में विदेशों में एक स्कूल बोर्ड सहित अन्य भारतीय संस्थानों की उपस्थिति का और विस्तार करने की महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं।

अमृत काल के अंतर्गत विकसित भारत का स्वप्न, अमृत पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करके ही साकार किया जा सकता है। कामकाजी आयु वर्ग में हमारी लगभग 65 प्रतिशत आबादी के साथ, हमें एक ऐसी उम्र के लिए रूपरेखा तैयार करनी चाहिए जिसमें आजीवन सीखने और कौशल की आवश्यकता हो। वसुधैव कुटुंबकम की भावना से प्रेरित होकर भारत 21 वीं सदी का वास्तविक नेता बनने के मार्ग पर है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस परिवर्तन को वर्तमान वास्तविकता से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वैश्विक नागरिक बनाने के दृष्टिकोण के साथ भारत की ज्ञान परंपराओं पर जोर देकर, इसमें विश्व स्तर पर कहीं भी ज्ञान-आधारित समाज बनाने के लिए एक मार्गदर्शक बनने की क्षमता है, खासकर गरीब और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए जो उपनिवेश की छाया से मुक्त होना चाहते हैं। अब जबकि एनईपी अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है, इसकी सफलता का मतलब 2047 तक विकसित भारत में ज्ञान साझाकरण एवं शांति पर केंद्रित एक वैश्विक विश्व व्यवस्था होगी। -(लेखक, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री हैं।)

संपादकीय

आईआईटी में भी ड्रापआउट

पढ़ाई बीच में ही छोड़ने वाले निचली कक्षाओं के ही छात्र नहीं हैं। इससे हमारे आईआईटी जैसे संस्थानों के छात्र भी अछूते नहीं हैं। यह स्थिति अधिक चिंताजनक है। निचली कक्षाओं तक ड्रापआउट की समस्या में माता-पिता या अभिभावकों की गरीबी और भुखमरी वजह मानी गई। स्कूलों में दोपहर का भोजन इसलिए शुरू किया गया। इसने कुछ हद छात्रों को स्कूलों में टिकाए रखा है। पर इसका एक छोर और है, इस तरफ अभी ध्यान नहीं गया है और जिसके चलते स्कूली छात्र भी घर बैठ जाते हैं। वह कारण है- पढ़ाई में मन न लगना। यह होता है- किताबों को न समझ पाने से। यहां भी परिवेश एक बड़ा फैक्टर है। आईआईटी में यह समस्या भी अपनी कक्षा के स्तर के साथ विकराल हो गया है। यह राज्य सभा में सरकार के जवाब से जाहिर है कि विगत पांच सालों में 33,111 छात्रों ने बीच में ही पढाई छोड़ दी। इनमें 15,657 इंजीनियरिंग के हैं। आईआईटी के 8,139 छात्र हैं। मेक इन इंडिया वाले दौर में यह तादाद मामूली नहीं है, जबकि गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण और स्तरीय उत्पादन उसका मूलमंत्र है। भारत यह खतरा नहीं उठा सकता। उसे समझना होगा कि इस ऐश्वर्यशाली पाठ्यक्रम से छात्रों के मुंह मोड़ने की वजह क्या हो सकती है। इनमें छात्रों की जाति-समुदायगत श्रेणियों से जो समझ में आ रहा है, उसमें अपने पिछड़े परिवेश और आईआईटी की पढ़ाई के अंतरराष्ट्रीय स्तर एवं इनके कुल योगफल में बने घोर प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में अपने को समायोजित नहीं कर पाते हैं। यह कहना सही नहीं है कि जब वे आईआईटी क्रैक कर लेते हैं तो फिर पढ़ाई कैसे नहीं कर पाएंगे। स्थिति को बरकरार रखना हर क्षेत्र में एक अलग तरह की चुनौती है। हालांकि यह बात ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग के ही सभी छात्रों पर लागू नहीं होती। वे अपनी क्षमता के मुताबिक कमजोरियों से लड़कर कामयाब होते हैं। इस मामले में सरकार की भूमिका बड़ी हो जाती है कि ऊंची कक्षाओं के स्तर में पिछड़ रहे छात्रों पर नजर रखते हुए संस्थान के स्तर पर ही उनकी बोधगम्यता बनाए रखने के लिए कोचिंग दिलाए। साथ-साथ आर्थिकी जैसे अन्य कारणों के निदान पर भी ध्यान दें। स्ट्रेस को दूर करने के लिए योग समेत वातावरण को हल्का करने की कोशिश की जाए। यह बताने की जरूरत है कि जीवन के हर क्षेत्र की तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन का दबाव बुरी तरह बढ़ा हुआ है। इसी में सामंजस्य बिठाना है।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विध्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

केवल कानून बनाने और दंडित करने से नहीं रुकेगी दरिंदगी

सनत जैन

देश की राजधानी नई दिल्ली में एक दशक पहले निर्भया के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। जिस तरह से उस बालिका के साथ दुष्कर्म और दरिंदगी की गई थी, उससे पूरा देश दहल गया था। आनन-फानन में कई कानून बनाए गए। फांसी देने तक के प्रावधान किए गए। इसके बाद भी दरिंदगी पर रोकथाम नहीं लगी है। उल्टे यह दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। केवल कानून बना देने और उसमें कड़े दंड के प्रावधान कर देने से महिलाओं और बच्चियों के साथ जो दरिंदगी हो रही है। उसे रोक पाना शायद ही संभव होगा। इसके लिए सरकार, समाज और परिवार को भी सोचना होगा कि यह दरिंदगी कहां से आ रही हैं। भोली-भाली बच्चियों के साथ लोग इतने अत्याचार कैसे कर लेते हैं। पिछले वर्षों में छोटी-छोटी सी बच्चियों के साथ जिस तरह से दरिंदगी की गई है, उससे भारत की सामाजिक व्यवस्था की सोच उजागर हो रही है। घटनाओं को रोकने के लिये कानून बनाए गए थे। निर्भया फंड की स्थापना की गई थी। बड़े-बड़े दावे किए थे। कड़े कानून से अपराध करने वालों के साथ कड़ाई से निपटा जाएगा। यौन अपराधों पर नियंत्रण होगा। पिछले 11 वर्षों के परिणामों पर नजर डालें, तो यौन अपराध और दरिंदगी कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है। यह कैसे कम होगी, हम कानून बनाकर भूल गए हैं कि इससे अपराध पर नियंत्रण हुआ है या नहीं। अपराध बढ़ने के कौन कौन से कारण हैं। उन कारणों को दूर करने की दिशा में शासन, प्रशासन और सामाजिक स्तर पर कोई प्रयास किए गए हैं या नहीं। सोशल मीडिया और इंटरनेट इस तरह की अपराधिक घटनाओं के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माने जा रहे हैं। आज अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है। स्कूल में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाना और स्मार्टफोन के माध्यम से पढ़ाई करना आवश्यक हो गया है। इंटरनेट पर अश्लील वेबसाइट की भरमार मची हुई है। गूगल, यूट्यूब और अन्य ऐप के माध्यम से बच्चों और समाज के सभी वर्ग को आसानी के साथ पोर्न वीडियो का शिकार बनाया जा रहा है। बहुत कम उम्र में यौन संबंध के हजारों मामले सामने आ चुके हैं। एकल परिवार के कारण बच्चे अपना अधिकांश समय स्मार्टफोन में बिताते हैं। समाज के सभी उम्र के लोगों में इंटरनेट के कारण अश्लील वेबसाइट इत्यादि चाहे और अनचाहे रूप में देखने को मिलती है। धीरे-धीरे इसका नशा इस तरह से चढ़ जाता है, कि मन और मस्तिष्क कुंठित होकर रह जाता है। ऐसी कुंठित समाज में इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण कानून और दंड से कर पाना शायद ही संभव होगा। यदि दरिंदगी पर वास्तविक तौर पर नियंत्रण करना है, तो समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारी, इंटरनेट पर क्या उपलब्ध होगा, इसके लिए सरकार की जिम्मेदारी तय की जानी जरूरी है। सरकार के मुखिया और जांच अधिकारी इंटरनेट पर जाकर देखें कि अश्लील सामग्री बड़ी मात्रा में सभी वर्ग को उपलब्ध है। गूगल के सर्च इंजन, यूट्यूब के सर्च इंजन के माध्यम से जिस तरह की मानसिकता भारतीय समाज की पैदा की जा रही है, वही यौन अपराधों को बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका अदा करती हुई नजर आ रही है। सरकार और महिला संगठन यदि सोचते हैं कि दरिंदगी और यौन अपराधों को कानून बनाकर अथवा दंडित करके इस समस्या से निपटा जा सकता है, तो यह बेमानी है। यदि ऐसा होता तो अभी तक यौन अपराधों पर नियंत्रण पा लिया गया होता। नियंत्रण की बात तो दूर, यौन अपराध और दरिंदगी बढ़ती जा रही हैं। कड़े कानूनों के कारण यौन अपराध करने वाले लोग दरिंदगी करते हैं। सबूत को मिटाने के लिए महिलाओं और बच्चियों को मार डालने तक का कुकृत्य करते हैं। बच्चियों और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के साथ उनकी जान भी जा रही है। पिछले वर्षों में एक तरफा कानून बनाए गए हैं। उसके बाद कानूनों का दुरुपयोग भी बड़े पैमाने पर होने लगा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट भी सरकार का ध्यान आकर्षित कर चुकी है। जो विशेष कानून विशेष वर्ग को संरक्षण देते हैं, उनका बड़े पैमाने में भारत में दुरुपयोग होने लगता है। महिलाएं अब बलात्कार के आरोप कई वर्षों तक यौन संबंधों में रहने के बाद यौन अपराध दर्ज कराती हैं। लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। इस तरह के अपराधों की बाढ़ सारे देश में देखने को मिल रही है। कानून और नियम जो भी बनाए जाए, वह सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाए जाएं। यदि कोई अपराध करता हुआ पाया जाता है, तो उसे उस अपराध की कड़ी से कड़ी सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन कानून की आड़ में सुनियोजित अपराधिक घटनाएं बढ़ने लगती हैं। तो इस तरह नियम और कानून बनाने से सरकार को बचना भी चाहिए। सामाजिक स्तर पर भी महिलाओं तथा योन अपराधों को रोकने के लिए समग्र चिंतन किए जाने की जरूरत है। स्मार्ट फोन ने 12 से 14 वर्ष की उम्र में बच्चे बालिग होने लगे हैं। को-एजुकेशन के कारण लड़के और लड़कियां एक साथ रहने और ज्यादा से ज्यादा एकांत मिलने लगा है। परिवार बहुत छोटे हो गए हैं। कम उम्र के बच्चों में भी आम सहमति से यौन संबंध बन जाते हैं। हम हर मामले में यूरोपीय देशों की नकल करने के लिए तैयार बैठे हैं। यौन संबंधों को लेकर अभी भी हम पश्चिमी सभ्यता के स्थान पर दशकों पुरानी भारतीय मानसिकता के आधार पर सोचते हैं, यह गलत है। वर्तमान संदर्भ में पाश्चात्य संस्कृति में जिस तरह से यौन संबंधों को लेकर नियम-कायदे कानून बने हुए हैं। हमें उनसे भी सीख लेने की जरूरत है। तभी जाकर इस तरह की दरिंदगी पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। कड़े कानून और दंड से अपराध नियंत्रित नहीं होते हैं।

मुद्दा : विलुप्ति से बचाना होगा बाघ को

प्रत्यूष शर्मा

बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है।

बाघ रॉयल प्रजाति है और विभिन्न संस्कृतियों जैसे हिंदू और बौद्ध धर्म में पूजनीय है। ये पर्यावरण पर्यटन के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करने में भी मदद करते हैं। अवैध शिकार, अवैध व्यापार और आवास के नुकसान के कारण बाघों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। बाघ को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की पहली अनुसूची, अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची (रेड लिस्ट) में 'विलुप्त होने के कगार पर' रखा गया है और वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (साइट्स) के पहले परिशिष्ट में रखा गया है।

बाघों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुए सम्मेलन में भारत समेत 13 देशों ने हिस्सा लिया था और यह घोषणा की थी कि बाघ-आबादी वाले देश वर्ष 2022 तक बाघों की आबादी को लगभग दोगुना करने का प्रयास करेंगे। पिछले कुछ वर्षो में बाघों और उनके निवास के आसपास रहने वाले लोगों के बीच टकराव की संख्या में वृद्धि हुई है। इसको रोकने के लिए गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। बाघ संरक्षण के लिए हमारे समक्ष कई चुनौतियां हैं। कुछ लोग बाघों का शिकार पैसे कमाने के उद्देश्य से करते हैं। विश्व भर में बाघों के प्राकृतिक निवास स्थान का लगभग तिरानवे प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो गया है।

इन निवास स्थानों को ज्यादातर मानव गतिविधियों द्वारा नष्ट किया गया है क्योंकि वनों और घास के मैदानों को कृषि जरूरतों के लिए उपयोग किया जा रहा है। बाघों के प्राकृतिक निवास और शिकार स्थान छोटे होने के कारण कई बार बाघ, पालतू पशुओं को अपना शिकार बना लेते हैं और लोग अक्सर जवाबी कार्रवाई करते हुए बाघों को मार देते हैं। बाघों के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 1973 में सरकार ने बाघ को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया। केंद्र प्रायोजित 'प्रोजेक्ट टाइगर' योजना वर्ष 1973 में शुरू की गई, जिसका उद्देश्य देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों को आश्रय प्रदान करना है। जब प्रोजेक्ट टाइगर शुरू हुआ, तो हमारे पास नौ बाघ अभयारण्य थे। आज हमारे पास 53 बाघ अभयारण्य हैं। उत्तर प्रदेश का रानीपुर 53वां बाघ अभयारण्य बनाया गया है। वर्ष 2023 में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 पूरे हो गए हैं। वर्ष 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' नामक एक वैधानिक निकाय की स्थापना की गई, जो वर्ष 2006 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम,1972 के प्रावधानों में संशोधन करके की गई थी। विश्व वन्यजीव कोष के अनुसार, बीसवीं सदी की शुरूआत से ही अवैध शिकार जैसी गतिविधियों में बाघों की पंद्रह प्रतिशत आबादी विलुप्त हो गई थी। देश में प्रत्येक चार वर्ष में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा पूरे भारत में विभिन्न राज्यों के वन विभागों और भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ साझेदारी में बाघों की गणना की जाती है। वर्ष 2018 में 2967 बाघों के साथ ही भारत ने बाघों की संख्या को दोगुना करने के लक्ष्य को चार वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया। भारत दुनिया के 70 फीसद से अधिक बाघों का घर है। एम-स्ट्रिप (मोनिटिरंग सिस्टम फॉर टाइगर्स इंटेसिव-प्रोटेक्शन एंड इकोलॉजिकल स्टेटस) एप्लिकेशन का उपयोग करके पांचवें चक्र की बाघों की गिनती वर्ष 2022 में की गई थी। वर्ष 2022 में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 हो गई है। वर्ष 2016 में भारत और बांग्लादेश ने साझा प्रयास से एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया था कि सुंदरबन में बढ़ते समुद्री स्तर के कारण 96 फीसद जमीन के डूबने का खतरा बना हुआ है। समुद्री जलस्तर बढ़ने से बाघ आबादी वाले इलाकों की तरफ कूच करेंगे, जिससे मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। कई टाइगर रिजवरे में अवैध शिकार रोधी अभियानों के लिए विशेष बाघ सरंक्षण बल तैनात किए गए हैं। ई-र्वड परियोजना के तहत बाघों के संरक्षण हेतु उनकी रखवाली और निगरानी की जा रही है। इस कार्य के लिए मानव रहित हवाई वाहनों जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। हमें बाघों को विलुप्त होने से बचाना होगा। हमारा प्राथमिक लक्ष्य बाघों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए एक वैंकि प्रणाली को बढ़ावा देना और बाघ संरक्षण के मुद्दों के लिए जन जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। जहां संभव हो, स्थानीय समुदाय-आधारित संगठनों के साथ भागीदारी को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि संघर्ष की स्थितियों को कम करने के साथ संरक्षण योजना और प्रयासों में भागीदारी को और ज्यादा बढ़ाया जा सके।

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कुछ ऐसी ही एक जगह है उत्तर कोरिया का किजोंग-डोंग गांव। खूबसूरती के मामले में इस गांव का कोई तोड़ नहीं है, लेकिन यहां पर कोई रहने वाला ही नहीं है। हालांकि, इस गांव में आलीशान इमारतें, साफ-सुथरी सड़कें, पानी की टंकी, बिजली, स्ट्रीट लाइट समते तमाम तरह की सुविधाएं हैं।

दुनिया के इस खूबसूरत गांव में मौजूद है फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं, फिर भी नहीं है कोई रहने वाला

किजोंग-डोंग गांव साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के मिलिट्रीरहित जोन में स्थित है। साल 1953 में कोरियन वॉर के बाद हुए युद्ध विराम के दौरान इस गांव को बनाया गया था। कई लोग इस गांव को प्रोपगैंडा विलेज कहते हैं। लोगों का ये मानना है कि इस गांव का निर्माण इसलिए कराया गया ताकि उथ कोरिया में रह रहे लोगों को ऐसा लगे कि यहां के लोगों की लाइफ काफी लग्जरी है।

किजोंग-डोंग का इतिहास

किजोंग-डोंग गांव के निर्माण का किस्सा भी काफी रोचक है। दरअसल, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच जब कोरियाई युद्ध की अनौपचारिक समाप्ति हुई, उसी समय इस गांव का निर्माण हुआ। तीन साल तक चले इस युद्ध में 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस दोनों देशों को अलग करने वाले क्षेत्र को डिमिलिट्राइज एरिया के रुप में जाना जाता है। युद्ध के दौरान दोनों देशों ने यहां से अपने नागरिकों को हटा दिया था। युद्ध विराम की घोषणा के समय यह तय किया गया कि दोनों देश सीमा पर सिर्फ एक ही गांव को बरकरार रख सकते थे या फिर नया गांव बसा सकते थे। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने अपनी सीमा में मौजूद फ्रीडम विलेज के रुप में जाना जाने वाला डाइसॉन्ग-डोंग को बरकरार रखा। यहां पर करीब 226 लोग रहते हैं। इतना ही नहीं इस गांव के लोगों को विशेष पहचान पत्र दिया गया है और रात 11 बजे के बाद करफ्यू लग जाता है।

दूसरी तरफ उत्तर कोरिया ने पीस विलेज के रुप में एक नया गांव किजोंग-डोंग का निर्माण करवाया। इस गांव को लेकर उत्तर कोरिया का ये दावा है कि यहां पर 200 निवासी हैं। बच्चों के लिए किंडरगार्टन, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के अलावा यहां रह रहे लोगों के लिए अस्पताल भी है। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह गांव एकदम सुनसान है और यहां कोई नहीं रहता है। लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए रोजाना घरों में लाइट जलाई जाती हैं और सड़कों पर सफाईकर्मी झाड़ू लगाते नजर आते हैं। लेकिन इस गांव में रहने वाले लोग नहीं दिखाई देते हैं।

साभार

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।
जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।
अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।
जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।
अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।
नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।
अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।
बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।
बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।
बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।
रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।
गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।
ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।
वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।
बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।
अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।
राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?
जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।
ठीक है ।राजा ने कहा।
समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।
बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।
अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।
ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है
जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।
पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।
अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।
बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।
यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी पंख

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अल्पवृष्टि के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की

● प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता ● सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश, नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस करे पेट्रोलिंग ● अन्नदाता किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता में, ऐसे में अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आकलन किया जाए ● अल्प वृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए ● जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए, यह सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अल्पवृष्टि के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में गत वर्ष की तरह इस बार भी बारिश असामान्य है और इसमे निरंतरता नहीं है। ऐसे में किसानों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए। किसान हित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बरसात कम हो या ज्यादा, किसान चिंतित न हों, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री जी ने इसके लिए नदियों को चैनेलाइज करते हुए नहरों की टेल तक पानी पहुंचाए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देश दिए। नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग करे। ये सुनिश्चित किया जाए कि बीच मे कोई नहरों को काटने न पाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता में है। ऐसे में अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आकलन किया जाए। अल्प वृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए। जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो। अल्प वृष्टि की पाक्षिक रिपोर्ट बनाकर केंद्र सरकार को भेजी जाए। निजी ट्यूबवेल संचालकों को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से अब तक कुल 281.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो कि सामान्य वर्षा का 84.3 प्रतिशत है।

बैठक में कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने अवगत कराया कि प्रदेश में अबतक 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई हुई है।

संक्षिप्त डायरी

समाज को लेकर खादी ग्रामोद्योग अधिकारी से की चर्चा

संवाददाता

धामपुर। ग्राम कोडिपुरा निवासी भाजपा नेता विपिन कुमार प्रजापति ने बिजनौर के खादी ग्रामोद्योग अधिकारी श्री कुंवर सेन जी से भेंट की।तथा खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को राम दरबार की प्रतिमा भेंट की ।ओर प्रजापति समाज के लिए माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की एवं कुम्हारी कला हेतु आवंटित पट्टे पर अवैध कब्जों के संबंध में बैठक कर योजना के अन्तर्गत प्रजापति समाज को जागरूक करने संबंधित विषयों पर गहन चर्चा की तथा माटी कला से उत्पादित विभिन्न प्रयोग में लाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तनों के प्रचार प्रसार पर चर्चा की गई। वहीं खादी ग्रामोद्योग अधिकारी कुंवर सेन ने बताया कि प्रजापति समाज के लिए माटी कला बोर्ड द्वारा कई योजनाएं चल रही है। प्रजापति समाज उन योजनाओं का लाभ उठाएं और अधिक से अधिक माटी कला से जुड़े। साथ में रहे भूपेंद्र प्रजापति राजीव कुमार प्रजापति।

मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन कर युवाओं को प्रेरित करेगी योगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ । यूपी की माटी से निकले वीरों का वंदन कर योगी सरकार युवाओं को महापुरुषों की वीरता का दीदार कराएगी। ह्यमेरी माटी, मेरा देशह्व कार्यक्रम के तहत योगी सरकार स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) को पंचायत व स्थानीय निकाय स्तर पर विविध आयोजन कराएगी। शहीदों के परिजनों का सम्मान कर जहां उनकी वीर गाथा से युवा फिर अवगत होंगे, वहीं वृक्षारोपण अभियान-2023 के तहत सभी ग्राम पंचायतों में एक स्थान चिह्नित कर 75 पौधरोपण कर अमृत वाटिका विकसित की जाएगी। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के तहत योगी सरकार इस आयोजन को अद्वितीय व अविस्मरणीय बनाएगी। योगी सरकार ने वृक्षारोपण अभियान-2023 के तहत 22 जुलाई व 15 अगस्त को कुल 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें से 22 जुलाई को 30 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर योगी सरकार ने इतिहास बनाया। अब 15 अगस्त को भी वसुधा वंदन के तहत सभी 57702 ग्राम पंचायतों में एक स्थान चिह्नित कर स्वदेशी प्रजाति के 75 पौधों का रोपण कर अमृत वाटिका विकसित की जाएगी। देश व प्रदेश के सभी हिस्सों से एकत्र की गई मिट्टी को अमृत वाटिका विकसित करने के लिए उपयोग किया जाएगा। 15 अगस्त को ही योगी सरकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, थल सेना, वायु सेना, केंद्रीय पुलिस बल व राज्य पुलिस के शहीदों के परिजनों का सम्मान भी करेगी। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान भी कराया जाएगा। राष्ट्रधुन का वादन पुलिस-पीएसी-विद्यालयों के बैंड व अन्य स्थानीय बैंड के जरिए होगा। इसका उद्देश्य है कि वर्तमान व भावी पीढ़ी अपने आसपास, शहर, प्रदेश व देश के वीर जवानों की गाथाओं से परिचित हो। इसके साथ ही 15 अगस्त को समस्त 57702 ग्राम पंचायतों व 493 नगर पंचायतों में माटी कलश तैयार करने की योजना है। स्वतंत्रता दिवस पर स्थानीय कलाकारों की ओर से राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। पंचायत व स्थानीय निकाय स्तर पर इस आयोजन के लिए खंड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी द्वारा मनोनीत किए गए ग्राम विकास अधिकारी-पंचायत सचिव-लेखपाल व सफाई निरीक्षक इन कार्यक्रमों के समन्वयक होंगे। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, ग्राम स्तरीय कर्मचारी, कोटेदार की उपस्थिति अनिवार्य रूप से होगी। साथ ही ग्राम पंचायत व ग्राम सभी के सदस्यों से भी उपस्थित रहने का निवेदन किया गया है। सरकार की मंशा है कि स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले आयोजनों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों, पुलिस व सेना के शहीदों के परिजनों व अन्य विशिष्ट जनों की उपस्थिति इस कार्यक्रम में रहे। कार्यक्रम में समाज के अन्य लोगों के साथ स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी, आशा बहुएं, स्वच्छाग्राही, ग्राम सेवक, रोजगार सेवक, जिलेदार, ट्यूबवेल ऑपरेटर आदि का भी सहयोग लिया जाएगा।

बच्चों के लर्निंग आउटकम को निखारेंगे 5 डीटीएच टीवी चैनल्स

संवाददाता

लखनऊ । बच्चों के लर्निंग आउटकम को निखारने के लिए योगी सरकार ने प्रदेश में पीएम ई विद्या कार्यक्रम के तहत 5 डीटीएच टीवी चैनल्स की शुरूआत कर दी है। यह चैनल्स शनिवार से डीडी फ्री डिश तथा डिश टीवी पर निःशुल्क उपलब्ध हो गए हैं। इस नई पहल के माध्यम से अब बच्चे विद्यालय के साथ घर में भी पढ़ाई कर सकेंगे। साथ ही शिक्षकों को भी पढ़ाई के नए तौर तरीके सीखने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 17 मई, 2020 को पीएम ई-विद्या कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। कार्यक्रम के घटकों में से एक वन क्लास वन चैनल के रूप में पीएम ई-विद्या डीटीएच टीवी चैनल्स का शुभारंभ किया गया था। यह टीवी पर सीखने के संसाधन उपलब्ध कराकर बच्चों के घरों तक उनकी भाषा में पूरक शिक्षा उपलब्ध कराता है। निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की ओर से डायट प्राचार्यों, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पीएम ई विद्या डीटीएच चैनल्स के शुभारंभ की जानकारी दी है। इसके अनुसार, पीएम ई-विद्या वन क्लास वन चैनल के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश को 5 डीटीएच चैनल आवंटित किए गए हैं, जिसमें कक्षा 1 से 12 के विद्यार्थियों हेतु कक्षावार और विषयवार शैक्षिक वीडियोज का

प्रसारण किया जाएगा। इसके साथ ही पूर्व प्राथमिक शिक्षा तथा दिव्यांग बच्चों के लिए भी उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वीडियो डीटीएच टीवी चैनलों पर प्रसारित किए जाएंगे। पीएम ई-विद्या कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में कक्षा 1-12 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित उत्कृष्ट गुणवत्ता की शिक्षण सामग्री का प्रसारण 24-7 रूप से डीटीएच चैनल्स पर किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार इसका लाभ प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही साप्ताहिक रूप से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए लाइव प्रसारण के कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान विशेषज्ञों द्वारा हो सकेगा। इन चैनल्स के माध्यम से प्रतिदिन नवीन विषयवस्तु के प्रसारण के साथ-साथ उसका रिपीट टेलीकास्ट 247 चलेगा। इससे बच्चे विषयवस्तु को आसानी से समझ सकेंगे तथा शिक्षकों को भी विभिन्न विषयों को विभिन्न तरीकों से पढ़ाने की जानकारी होगी। यह शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को उन्नत बनाने में सहायक होगी।

शामली में घर की छत गिरने से मां की मौत

शामली । झिंझाना थाना क्षेत्र के गांव में बरसात ज्यादा होने के चलते मकान के अन्दर सो रही मां बेटी के ऊपर भरभरा कर घर की छत गिर गई। घटना में मां की मौत हो गई। वहीं बेटी घायल हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय शासन प्रशासन मौके पर पहुंचा। मामले की जांच पड़ताल करते हुए पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। यह पूरा मामला शामली के झिंझाना थाना क्षेत्र व तहसील ऊन क्षेत्र के गांव पांथुपुरा का है। जहां पर बीती रात हुई तेज बरसात के चलते समय करीब एक बजे एक मकान की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। मकान के अंदर सोई मां-बेटी मलबे

के नीचे दब गई। जिसमें मां की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर हालत में बेटी को बचाया जा सका। गांव पांथुपुरा की निवासी 50 वर्षीय विधवा शिक्षा पत्नी स्वमहक सिंह अपनी बेटी रूपा के साथ मकान में सोई हुई थी। रात में तेज बरसात के बाद अचानक मकान की छत भरभरा कर गिर गई। जिसके नीचे दबने से शिक्षा की मौत हो गई। साथ ही रूपा घायल हो गई। रूपा की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मां-बेटी को मलबे से बाहर निकाला लेकिन तब तक शिक्षा की मौत हो चुकी थी। जिसके बाद मामले की सूचना मिलते ही उप जिलाधिकारी ऊन विजय शंकर ने गांव में पहुंचकर घायल बेटी को सांत्वना देते हुए आर्थिक सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया है। मौके पर पहुंची चौसाना पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। आप को बता दें कि इस हादसे के बाद रूपा के दिल पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा। रूपा अब अकेली रह गई है। रूपा के पिता की बीमारी के चलते दो वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी।जिसके बाद दोनों मां-बेटी मेहनत मजदूरी कर गुजर बसर कर रही थी।

अमेठी में घर से दूर मिला युवक का शव

अमेठी । कल देर शाम में लापता हुए युवक का शव घर से दो किलोमीटर दूर दूसरे गांव के खेत में मिला है। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने हत्या कर शव को खेत में फेंकने का आरोप लगाया है। दरअसल ये पूरा मामला जामो थाना क्षेत्र के ठाकुर राम का पुरवा का है। जहां कल देर शाम धर्मेंद्र वर्मा पुत्र राधेश्याम वर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में घर पर लापता हो गया। देर रात तक परिजन युवक की तलाश करते रहे,

लेकिन उसका कहीं पता न चला। आज सुबह गांव से दो किलोमीटर दूर केशवपुर उमराडीह गांव के बाहर स्थित तालाब के पास खेत मे युवक का शव पड़ा मिला। शौच के लिये गए ग्रामीणों ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मृतक के चाचा घनश्याम चौरसिया ने कहा कि उनका भतीजा कल देर शाम से गायब था।

हम लोगों ने खोजा लेकिन मिला नहीं। सुबह उसका शव पड़ोस के गांव में मिला है। उसकी हत्या की गई है। उसके गले पर चोट के निशान और मुंह से खून निकल रहा था। एसएचओ विवेक सिंह ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच की जा रही है।

बारिश कम हो या ज्यादा, परेशान न हों किसान

हर कदम पर साथ है सरकार: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री का निर्देश, अल्प वृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन करें ● हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचाएं पानी, नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस करे पेट्रोलिंग : मुख्यमंत्री ● मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कम वर्षा एवं जलाशयों की स्थिति को लेकर की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिये निर्देश ● किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित करें: मुख्यमंत्री ● अलर्ट पर रहें सिंचाई और विद्युत विभाग : मुख्यमंत्री ● नदियों के पानी को चैनेलाइज करते हुए जलाशयों को भरें : मुख्यमंत्री ● नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें ● सौर ऊर्जा चलित नलकूपों के इस्तेमाल के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए: मुख्यमंत्री ● केंद्र सरकार को प्रदेश में अल्प वृष्टि की स्थिति से पाक्षिक रूप से अवगत कराया जाए ● प्रदेश में अब तक हुई 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अल्पवृष्टि के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में गत वर्ष की तरह इस बार भी बारिश असामान्य है और इसमे निरंतरता नहीं है। ऐसे में किसानों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए। किसान हित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि बरसात कम हो या ज्यादा किसानों चिंतित न हों, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित जरते हुए कहा कि हर हाल में नहरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए नदियों को चैनेलाइज करते हुए उनके पानी को नहरों में पहुंचाने की व्यवस्था करें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि पानी हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचे। नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस

पेट्रोलिंग करे, ये सुनिश्चित किया जाए कि बीच मे कोई नहरों को काटने न पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों का हित हमारी प्राथमिकता है, ऐसे में अल्प वृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्प वृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्प वृष्टि की पाक्षिक रिपोर्ट बनाक केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि निजी ट्यूबवेल संचालकों को रेंन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से अबतक कुल 281.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो कि सामान्य वर्षा का 84.3 प्रतिशत है। बैठक में कृषि मंत्री की ओर से बताया गया कि प्रदेश में अबतक 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई हुई है।

एशियाई गेम्स की टीम लिस्ट में नहीं हैं कप्तान सुनील छेत्री, संदेश और संधू भी बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एशियाई खेलों की लिस्ट में कप्तान सुनील छेत्री का नाम नहीं होने से उनके चाहने वाले उदास हैं, वहीं संदेश और संधू भी लिस्ट से बाहर कर दिए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री, गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और सेंटर बैक संदेश झिंगन का नाम चीन के हांगझोउ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों के लिए देश के खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची से गायब है। खेलों में पुरुषों की फुटबॉल प्रतियोगिता में, एक काउंटी को अपनी अंडर-23 टीम उतारनी होती है, लेकिन टीम में तीन खिलाड़ी 23 वर्ष या उससे अधिक के हो सकते हैं। महिलाओं के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे, जो ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त सचिव और कार्यवाहक सीईओ भी हैं, ने हाल ही में कहा था कि छेत्री, गोलकीपर संधू और झिंगन टीम में तीन 23 वर्षीय खिलाड़ी होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि छेत्री कप्तान होंगे। हालांकि,इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होने वाले एशियाड के आयोजकों के साथ साझा की गई एथलीटों की सूची में तीनों के नाम नहीं हैं।

हालांकि सूची भेजने की अंतिम तिथि 15 जुलाई थी। इस सूची में पुरुष फुटबॉल दल के कुल 22 खिलाड़ी हैं। यह पता चला है कि आईओए और चौबे ने व्यक्तिगत रूप से एशियाड आयोजकों से इन खिलाड़ियों को विशेष मामले के रूप में मान्यता प्रदान करने का अनुरोध किया है। इसके लिए आयोजकों को पत्र लिखा गया है। सूत्रों के अनुसार, तीनों वरिष्ठ खिलाड़ी पहले एशियाड जाने के बारे में अनिश्चित थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया। संपर्क करने पर, चौबे ने स्वीकार किया कि उनके नाम 15 जुलाई की समय सीमा तक आयोजकों को नहीं भेजे गए थे और अब उन्हें मान्यता प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

हालांकि जानकारी यह भी है कि एशियाड में पुरुष और महिला फुटबॉल पक्षों की भागीदारी पहले खेल मंत्रालय के क्राइटेरिया के अनुसार कॉन्टिनेंट में शीर्ष-8 में स्थान पाने वाली टीमों को भेजने के लिए संदेह में थी। बाद में, मंत्रालय ने सरकार के पूर्ण लागत पर दोनों टीमों को मंजूरी दे दी। एशियाड के लिए पुरुषों की फुटबॉल टीम में अनवर अली, गुरमीत सिंह, लालेंगमाविया, नरेंदर, रहीम अली, लालनुंतलुंगा बावितलुंग, रोहित दानू, प्रभसुखन सिंह गिल, अनिकेत अनिल जाधव, राहुल कन्नोली प्रवीण, अमरजीत सिंह कियाम, आकाश मिश्रा, धीरज सिंह

मोइरंगथेम, थोइबा सिंह मोइरंगथेम, महेश सिंह नाओरेम, रोशन सिंह नाओरेम, शिव शक्ति नारायणन, आशीष राय, विक्रम प्रताप सिंह, दीपक तंगरी, जैकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश वांगजाम शामिल किए गए हैं।

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में क्रिस्टी से हारे, जापान ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

तोक्यो। (एजेंसी)। भारत के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन शनिवार को यहां इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त जॉनाथन क्रिस्टी से सेमीफाइनल में तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैच में हार कर जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की और अपने प्रतिद्वंदवी को दबाव में रखा लेकिन आखिर में वह विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी और एशियाई खेलों के चैंपियन क्रिस्टी से 15-2, 21-13, 16-21 से हार गए। यह मैच एक घंटे और छह मिनट तक चला।

अल्मोड़ा के रहने वाले 21 वर्षीय सेन के बाहर होने से भारत की जापान ओपन में चुनौती भी समाप्त हो गई। सेन ने इस महीने के शुरू में कनाडा ओपन सुपर 500 का खिताब जीता था। इस मैच से पहले इन दोनों का आपस में रिकॉर्ड 1-1 से बराबर था। सेन को कोर्ट पर अपनी गति के लिए जाना जाता है जबकि क्रिस्टी के शॉट दमदार होते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने इस रोमांचक मुकाबले में अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया। इंडोनेशिया के खिलाड़ी ने हालांकि शुरू में गलतियां की जिनका फायदा उठाकर सेन ने 7-4 से बढ़त हासिल कर ली। भारत के खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ गलतियां की जिससे क्रिस्टी ने स्कोर बराबर कर दिया। सेन ने दो करारे स्मैश लगाकर इंटरवल तक दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। क्रिस्टी ने हालांकि इसके बाद अच्छा खेल दिखाया तथा 32 शॉट की रैली जीतकर 15-12 से बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पहला गेम अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी को अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत थी तथा दूसरे गेम में शुरू में कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने लय हासिल कर ली। सेन ने कुछ शानदार स्मैश और ड्रॉप शॉट के दम पर दूसरे गेम में इंटरवल तक 11-5 की मजबूत बढ़त बना ली थी। उन्होंने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा सात गेम प्वाइंट हासिल किए। क्रिस्टी का शॉट बाहर जाने से उन्होंने यह गेम जीत कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन वह क्रिस्टी थे जिन्होंने खेल पर नियंत्रण रखा और 9-6 से शुरुआती बढ़त बनाई। इंडोनेशिया का खिलाड़ी दो शानदार रिटर्न के दम पर इंटरवल तक चार अंक आगे था। सेन ने इसके बाद अपना सब कुछ झोंक दिया तथा एक समय स्कोर 13-17 था। क्रिस्टी ने सटीक स्मैश से स्कोर 19-15 किया तथा इसके बाद पांच मैच प्वाइंट हासिल किए। सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाया लेकिन इसके बाद उनका शॉट नेट पर टकरा गया जिससे क्रिस्टी फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

4 से 30 जून के बीच हो सकता हैं टी20 वर्ल्ड कप

-अमेरिका और वेस्टइंडीज में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले भारत में 5 अक्टूबर से खेले जाने हैं। इस बीच अब टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बड़ी खबर आ रही है। आईसीसी टूर्नामेंट के मुकाबले अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने हैं। मुकाबले 4 से 30 जून तक खेले जा सकते हैं। पहली बार 20 टीमों को इसमें मौका मिलेगा। अब तक 15 टीमें वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की भी कर चुकी हैं। बात दें कि अमेरिका में पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट होने जा रहा है। टीम पहली बार वर्ल्ड कप में भी उतरेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले 4 से 30 जून तक खेले जा सकते हैं। वेस्टइंडीज और अमेरिका में 10 वेन्यू पर ये मुकाबले होने हैं। अमेरिका में फ्लोरिडा, मॉरिसविले, डलास और न्यूयॉर्क को टूर्नामेंट के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। आईसीसी की टीम जल्द अमेरिकी शहरों का दौरा करने वाली है। कई रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमेरिका में अभी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं है। इसके बाद वर्ल्ड कप को इंग्लैंड शिफ्ट किया जा सकता है। वहीं 20 टीमों को 5-5 टीमों के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप राउंड के बाद चारों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जाएगी। सुपर-8 में भी 4-4 टीमों का 2 ग्रुप बनाया जाएगा। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी। इसके बाद देखना होगा कि क्या भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाता है या नहीं। 2024 से 2031 के बीच आईसीसी 8 ग्लोबल इवेंट आयोजित करेगा। टी20 वर्ल्ड कप इस कड़ी में पहला मेगा इवेंट होगा। टी20 वर्ल्ड कप के लिए अब तक मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका के अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने क्वालिफाई कर लिया है।

एशेज करियर में 150 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बने स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड अपने एशेज करियर में 150 विकेट पूरे करने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बने हैं। ब्रॉड यह उपलब्धि हासिल करने वाले ओवरऑल तीसरे गेंदबाज हैं। ब्रॉड ने 5वें टेस्ट के दौरान उस्मान ख्वाजा और ट्रैविस हेड को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। अब 40 एशेज मैचों में ब्रॉड के नाम पर 28.81 की औसत से 151 विकेट हैं। उन्होंने अपने एशेज करियर में छह बार चार विकेट और आठ बार पांच विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एशेज इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा (30 मैचों में 157 विकेट, सर्वश्रेष्ठ आंकड़े) के बाद तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई स्पिन महान शेन वार्न (36 मैचों में 195 विकेट) इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं।

ब्रॉड ने अभी तक 167 टेस्ट मैचों में 27.63 की औसत से 602 विकेट लिए हैं। उनका बैस्ट प्रदर्शन 8/15 रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 20 बार पांच विकेट और तीन बार दस विकेट लिए हैं। मौजूदा सीरीज के दौरान भी ब्रॉड ने अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। वह पांच एशेज टेस्ट में 27.25 की औसत से 20 विकेट ले चुके हैं। वह एशेज 2023 में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

इंडिया-पाकिस्तान मैच की अगस्त में बिकेंगी टिकटें, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड करेगा कमाई

नई दिल्ली ।इंडिया-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट का मुकाबला देखने के लिए अगस्त में बुकिंग शुरु होने जा रही है। श्रीलंका में होने वाले एशिया कप को लेकर जहां दर्शकों में भारी उत्साह है, वहीं श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड कमाई करने के मूड में नजर आ रहा है। इसके लिए लुभावने ऑफर भी दिए जा रहे हैं। क्रिकेट विश्व कप की तरह एशिया कप में भी भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर क्रिकेट फैंस उत्सुक हैं। उम्मीद है कि एशिया कप के फाइनल में पहुंचने तक भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबले हो सकते हैं। ऐसे में श्रीलंका में होने वाले इन मुकाबलों के लिए फैंस ने उत्सुकता दिखानी शुरू कर दी है। एशिया कप के लिए अभी टिकट काऊंटर खुला नहीं है। इसके अगस्त के पहले सप्ताह में खुलने की संभावना है। लेकिन माना जा रहा है कि इसमें भारत पाक मुकाबले के टिकट सबसे महंगे बिकेंगे। गौरतलब है ?कि एशिया कप 30 अगस्त से 17 सितंबर तक होना है। भले ही भारत और पाक के बीच श्रीलंका में मैच होने हैं लेकिन उम्मीद है कि प्रत्येक ग्राऊंड फैंस से भरी दिखेगी। ऐसे में श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड भी कमाई के मूड में दिख रहा है।

भारतीय अंपायर की निगाह ने स्टीव स्मिथ को गलत आउट होने से बचाया

लंदन ।भारतीय अंपायर नितिन मेनन ने आस्ट्रेलिया के दिग्गज बैट्समेन स्टीव स्मिथ को गलत आउट होने से बचा लिया। दरअसल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज का पांचवां और अंतिम टेस्ट के दौरान दोनों अंपायरों ने स्टीव स्मिथ को आउट दे दिया था, लेकिन बाद में थर्ड अंपायर की निगाह ने उन्हें बचा लिया। द ओवल में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज का पांचवां और अंतिम टेस्ट 27 जुलाई से खेला जा रहा है। इस सीरीज के अन्य मुकाबलों की तरह इस मैच में भी दोनों टीमें अपनी पूरी जान लगा रही हैं और मैच जीतने की कोशिश कर रही हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट में एक-एक रन के लिए लड़ रहे हैं। यही कारण है कि फैंस को लगातार रोमांचक क्रिकेट देखने को मिल रहा है। वहीं पांचवें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के स्टार बैटर स्टीव स्मिथ का रन आउट काफी चर्चा में चल रहा है। दरअसल, उन्हें गलत आउट होने से भारतीय अंपायर नितिन मेनन ने बचा लिया। आखिर क्या था पूरा मामला, आइये जानते हैं। दरअसल ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी का 78वां ओवर इंग्लैंड क्रिकेट टीम की ओर से तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स डाल रहे थे। वोक्स के इस ओवर की तीसरी गेंद पर स्टीव स्मिथ स्ट्राइक पर थे। स्मिथ ने क्रिस वोक्स की गेंद को मिड विकेट की ओर खेल दिया और दो रन चुराने की कोशिश की। स्मिथ ने पहला रन तो आसानी से पूरा कर लिया। लेकिन दूसरा रन पूरा करने में उन्हें अपनी पूरी जान लगानी पड़ गई। इंग्लैंड की ओर से सब्स्टीट्यूट फील्डर जॉर्ज ने स्मिथ को आउट करने के लिए रॉकेट से भी तेज थ्रो फेंका। उनका थ्रो इतना सटीक था कि गेंद सीधा विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो के हाथ में गई। स्मिथ ने खुद को बचाने के लिए चीते की तरह डाइव लगाई। हालांकि तूफानी थ्रो होने की वजह से बेयरस्टो ने भी फट से बैल्स उड़ा दी। वह क्रीज में समय से पहुंचने में थोड़ा चूक गए। थर्ड अंपायर के पास मामला गया। जब वहां पहली बार रीप्ले देखा तो ऐसा लग रहा था कि स्मिथ आउट हैं। इंग्लैंड के प्लेयर्स जश्न मनाने लगे। लेकिन थर्ड अंपायर नितिन मेनन ने इस पूरे मामले को और भी ज्यादा बारीकी और गंभीरता से देखा। फिर रीप्ले में ही ऐसा फ्रेम सामने आया कि जिसमें दिख रहा था कि स्मिथ बैल्स उड़ने से पहले क्रीज में पहुंच गए।

हरारे हरिकेंस के लिए श्रीसंत ने हासिल की सुपर ओवर में रोमांचक जीत

हरार (एजेंसी)। चालीस की उम्र में भी श्रीसंत का क्रिकेट के लिए रोमांच बरकार है। उन्होंने हाल ही में हरारे हरिकेंस के लिए सुपर ओवर में रोमांचक जीत हासिल की है। एक समय में सफ़ेद बॉल क्रिकेट में सबसे विस्फोटक गेंदबाजों में से एक माने जाने वाले, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने गेम-चेंजिंग ओवर के साथ जिम एफ्रो टी10 में खुद को पेश किया है। हाई-फ्लाइंग केप टाउन सैंप आर्मी के खिलाफ इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली हरारे हरिकेंस के लिए आठ रनों का बचाव करते हुए, श्रीसंत ने पहले एक विकेट लिया और फिर एक रन आउट किया, जिससे हरिकेंस ने गेम टाई कर दिया और फिर सुपर ओवर में नाटकीय तरीके से जीत हासिल की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं और हरारे हरिकेंस टीम प्रबंधन को मुझे इस टूर्नामेंट में मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। टीम प्रबंधन और सभी सदस्य मेरे दिल के बहुत करीब हैं और मैं बस एक मौके का इंतजार कर रहा था। यह मैच बेहद रोमांचक था। श्रीसंत पहले भी कई हाई थ्रिलर मैच का हिस्सा रहे हैं, चाहे वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) हो या टीम इंडिया हो।

इस दौरान अपनी जीत पर श्रीसंत ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं आभारी हूं, भगवान बहुत दयालु हैं। आईपीएल 2016 मैच फिक्सिंग के आरोपों में घिरे होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा प्रतिबंध के कारण श्रीसंत कई वर्षों तक खेल से दूर थे। कोर्ट केस जीतने के बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी की। हालांकि, केप टाउन सैम्प आर्मी के खिलाफ उस अंतिम ओवर ने साबित कर दिया कि खेल से दूर रहने का उनकी गेंदबाज़ी पर कोई असर नहीं पड़ा। भविष्य के बारे में बात करते हुए श्रीसंत ने कहा कि मैं वास्तव में मानता हूं कि अगर हरारे हरिकेंस जिम एफ्रो टी10 में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और टूर्नामेंट जीतते हैं, तो चाहे मैं खेलूं या नहीं, मुझे इसका हिस्सा बनकर टीम के साथ खिताब जीतना लक्ष्य है।

जर्मनी की नोमा नोहा अकुगी हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंची

हैम्बर्ग ।जर्मनी की युवा नोमा नोहा अकुगी ने पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेलते हुए हैम्बर्ग यूरोपियन ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश कर लिया ।दुनिया की 207वीं नंबर की खिलाड़ी 19 वर्ष की नोहा अकुगी ने रूस की डायना स्नाइडेर को 6 . 3, 6 . 3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई ।हैम्बर्ग की ही रहने वाली नोहा अकुगी को टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश मिला था ।अभी तक वह निचले दर्जे के आईटीएफ टूर्नामेंट ही खेलती आई है और फ्रेंच ओपन तथा विम्बलडन के क्वालीफाइंग दौर से बाहर हो गई थी ।अब उनका सामना नीदरलैंड की 32 वर्ष की अरांतजा रूस से होगा जिसने डारिया साविले को 2 .6, 6 .3, 6 . 1 से हराया ।पुरूष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को आर्थर फिल्स ने 6 .0, 6 .4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई ।अब उनका सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा जिसने लुका वान आशे को 6 . 3, 6 . 4 से हराया ।वहीं लाज्लो जेरे ने गत चैम्पियन लोरेंजो मुसेत्ती को 7 . 5, 6 . 3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां वह चीन के झांग झिझेन से खेलेंगे ।

भारत आ रही पाकिस्तान की टीम, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में लेगी हिस्सा, खत्म हुई बड़ी टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अब पाकिस्तान की हॉकी टीम भी हिस्सा ले सकेगी। इस टीम को तीन अगस्त से चेन्नई में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। पाकिस्तान की हॉकी टीम को गृह मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी एनओसी मिल गई है। इसकी पुष्टि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सचिव हैदर हुसैन ने दी है। बता दें कि इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान की टीम अब मंगलवार को वाघा बॉर्डर से अमृतसर की यात्रा करेगी। यहां से घरेलू उड़ान लेकर चेन्नई जाएगी। हालांकि अभी टीम के साथ आने वाले तीन अधिकारियों को वीजा नहीं मिला है, जिसमें टीम के हाल ही में नियुक्त सलाहकार शहनाज शेख का नाम भी शामिल है। अधिकारी ने उम्मीद जताई कि जिन अधिकारियों को वीजा नहीं मिला है संभवत~ उन्हें भी सोमवार तक वीजा जारी कर दिया जाएगा। भारतीय उच्चायोग के अन्य खिलाड़ियों और अधिकारियों को पहले ही वीजा जारी हो गया है। बता दें कि पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला तीन अगस्त को है। पाकिस्तान इस मैच में मलेशिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी।

पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है: मुहम्मद उमर भट्टा (कप्तान), अकमल हुसैन, अब्दुल्ला इश्तियाक खान, मुहम्मद अब्दुल्ला, मुहम्मद सुफियान खान, एहतशाम असलम, ओसामा बशीर, अकील अहमद, अरशद लियाकत, मुहम्मद इमाद, अब्दुल हनान शाहिद, जकारिया हयात, राणा अब्दुल वहीद अशरफ (उप कप्तान), रोमन, मुहम्मद मुर्तज़ा याकूब, मुहम्मद शाहज़ेब खान, अफ़राज़, अब्दुल रहमान

स्टैंडबायः अली रज़ा, मुहम्मद बाकिर, मुहम्मद नदीम खान, अब्दुल वहाब, वकार अली, मुहम्मद अरसलान और अब्दुल कय्यूम

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत पहुंची मलेशिया टीम

चेन्नई ।मलेशिया पुरुष हॉकी टीम यहां होने वाली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 में हिस्सा लेने के लिये शनिवार को भारत पहुंची।टूर्नामेंट का आयोजन तीन से 12 अगस्त के बीच मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में होना है।मलेशिया इस आयोजन में पांच बार तीसरे स्थान पर रहा है और इस बार सेमीफाइनल की बाधा को पार कर खिताब जीतना चाहेगा।बीते कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन करती आयी मलेशियाई टीम ने 2018 एशियाई खेलों में रजत जीता था, जबकि पिछले साल के एशिया कप में भी यह टीम दूसरे स्थान पर रही थी। एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में मलेशिया का मुकाबला जापान, कोरिया, पाकिस्तान, चीन और मेज़बान भारत से होगा।टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार, लीग चरण में सभी टीमें एक-दूसरे का सामना करेंगी और शीर्ष चार टीमों को सेमीफाइनल का टिकट मिलेगा। मलेशियाई पुरुष अपने अभियान की शुरुआत तीन अगस्त को पाकिस्तान के विरुद्ध करेंगे।मलेशिया के कप्तान मरहान जलील ने भारत में आगमन पर कहा, 'मैं भारत लौटकर बेहद खुश और रोमांचित हूं।एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के लिये हमारी तैयारियां सही रास्ते पर हैं और हम इस टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की कोशिश करेंगे।मैं मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम को पूरी तरह भरा हुआ देखने की उम्मीद कर रहा हूं।' मलेशिया के कोच अरुल एंथनी ने कहा, 'हमने खेल का नया ढांचा तैयार किया और बीते कुछ मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।मरहान की अगुवाई में खिलाड़ी नयी योजनाओं में अच्छी तरह ढले हैं।मैं उनके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं और एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में भी उसी की उम्मीद कर रहा हूं।'

लॉस एंजिलिस में शामिल हुआ क्रिकेट तो हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत खेलेंगे ओलिम्पिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि लॉस एंजिलिस में क्रिकेट को शामिल किया गया तो भारतीय टीम के हार्दिक पंडया, ऋषभ पंत को ओलंपिक खेलने का मौका मिलेगा। ओलिम्पिक प्रबंधन ने हिंट दिया है कि क्रिकेट को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाली ओलिम्पिक में शामिल किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो 128 साल के इतिहास में फिर से क्रिकेट देखने को मिलेगा। इससे पहले साल 1900 में ब्रिटेन और फ्रांस के बीच एकमात्र गोल्ड मैडल का मैच खेला गया था। अगर 2028 ओलिम्पिक में क्रिकेट आई तो यकीनी तौर पर भारत के हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत और शुभमन गिल जैसे सितारे इसमें खेलते नजर आ सकते हैं। जानकारी के अनुसार ओलिम्पिक में पुरुष और महिला दोनों टीमें हिस्सा ले सकती हैं। और फिर इसका फार्मेट टी 20 के समान ही होने की संभावना है। बता दें कि राष्ट्रमंडल खेल 2002 संस्करण में महिला क्रिकेट की वापसी हुई है। टीम इंडिया ने इसमें हिस्सा लेकर सिल्वर मेडल जीता था। फाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ हुआ था। यह भारतीय टीम के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन हो सकता है क्योंकि इससे भारत के लिए पदक पक्का करने की संभावना बढ़ जाएगी। जानकार बताते हैं कि भारत सबसे छोटे प्रारूप में अग्रणी टीमों में से एक रहा तो हार्दिक पंड्या, पंत और शुभमन जैसे सितारे भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में पूरी कोशिश करेंगे। लॉस एंजिल्स ओलिम्पिक 2028 में बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस, ब्रेक डांसिंग, कराटे, किकबॉक्सिंग, स्क्वैश और मोटरस्पोर्ट सहित आठ और खेल शामिल हो सकते हैं। क्रिकेट में 5 टीमों को मंजूरी मिलने की संभावना है और यह आईसीसी रैंकिंग पर आधारित होगी। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने साल 2022 में इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि हम एलए 2028 में आयोजकों के साथ बात कर रहे हैं। ओलिम्पिक कार्यक्रम में नए खेलों को शामिल करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाने हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में जुलाई माह का राज्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुए जुलाई माह के राज्य 'स्वागत' कार्यक्रम में उन्होंने नागरिकों द्वारा तालुका 'स्वागत' में ऑनलाइन आवेदन करने हेतु पोर्टल लॉन्च किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री और देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के अंतिम छोर के लोगों को समस्याओं का समाधान आसानी से पहुँचाने के उद्देश्य से वर्ष 2003 से ऑनलाइन शिकायत निवारण कार्यक्रम स्वागत' शुरू किया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया पोर्टल प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दो दशकों के सुशासन की इस सफल पहल को और अधिक सुदृ करने और नागरिकों की आवाज को बुलंद बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। आज के तकनीक के युग में लोगों की समस्याओं का ऑनलाइन सुखद समाधान जन-जन तथा घर-घर तक पहुंचाने के लिए 'स्वागत' ऑनलाइन फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और कू जैसे सोशल मीडिया पेज मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से 'स्वागत' में राज्य के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की सफलता की कहानियों को लोगों तक पहुँचाने के लिए 'स्वागत' के ये सोशल मीडिया पेज उपयोगी साबित होंगें। इतना ही नहीं, तालुका 'स्वागत' में आवेदन के लिए ऑनलाइन पोर्टल लोगों में जागरूकता लाने और 'स्वागत' ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय प्रशासन के साथ जुड़ कर लोगों की समस्याओं का सही समाधान लाने के लिए भी उपयोगी साबित होगा। तदनुसार, राज्य के नागरिक तालुका 'स्वागत' में ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर के साथ 2000 शब्दों की सीमा में ऑनलाइन शिकायत-आवेदन 'स्वागत' पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगें। इसके लिए प्रत्येक माह के चौथे बुधवार को आयोजित होने वाले तालुका 'स्वागत' कार्यक्रम में 1 से 10 तारीख तक ऑनलाइन एंट्री करानी होगी। आवेदक ऑनलाइन एंट्री के बाद जनरेट हुए नम्बर का उपयोग करके अपने आवेदन का स्टेट्स भी जान सकते है। लोगों की शिकायतों के ऑनलाइन समाधान के लिए प्रत्येक माह के चौथे गुरुवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य 'स्वागत' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और टेक्नोलॉजी के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाता है।

तदनुसार, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जुलाई में राज्य के 'स्वागत' कार्यक्रम में नौ प्रस्तुतियों को प्रत्यक्ष रूप से सुना तथा सरकारी विभागों और ज़िला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार की ओर से या विभागों के बीच समन्वय के अभाव के कारण समस्या के समाधान में विलम्ब नहीं हो और सभी याचिकाकर्ता को समय पर तथा त्वरित न्याय दिलाने का दायित्व निभाएं। यह उल्लेखनीय है कि जुलाई महीने में ग्राम, तालुका, ज़िला और राज्य 'स्वागत' से कुल 6,363 प्रस्तुतियां आयी थी, जिनमें से 82.49 प्रतिशत यानी 5,249 का समाधान किया जा चुका है। जुलाई महीने के राज्य 'स्वागत' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के.कैलाशनाथन, एडिशनल चीज़ सेक्रेटरी श्री पकंज जोशी सहित सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ सचिव भी उपस्थित रहे।

अमेरिकन सेमीकंडक्टर कंपनी एग्ज़ीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट ने मुख्यमंत्री से की सौजन्य मुलाकात

गांधीनगर । अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनी एडवांस्ड माइक्रो डिवाइस एएमडी के एग्ज़ीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट तथा सीटीओ मार्क पेपरमास्टर ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से सौजन्य मुलाकात की। एएमडी के एग्ज़ीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट तथा सीटीओ मार्क पेपरमास्टर, अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ 28 से 30 जुलाई तक गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया-2023 में भाग लेने के लिए गुजरात आए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुक्रवार को सुबह सेमीकॉन इंडिया-2023 का उद्घाटन करने के बाद दिन भर कॉन्फ्रेन्स में शामिल रहे एएमडी के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट तथा उनके प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ मुलाकात की।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक में भूमिका देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस संदर्भ में उन्होंने गर्व से यह भी कहा कि गुजरात अपनी डेडीकेटेड सेमीकंडक्टर पॉलिसी की घोषणा करने वाला देश का पहला राज्य है। भूपेंद्र पटेल ने इस पॉलिसी के अंतर्गत दिये गये प्रोत्साहन की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नीतियों के अलावा, गुजरात में मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और आत्मनिर्भर स्कीम फॉर असिस्टेंस टू इंडस्ट्री' का लाभ सेमीकंडक्टर से संबंधित अन्य सहायक उद्योग भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, गुजरात फाइनांशियल मैनेजमेंट में भी अग्रसर है। एएमडी के एग्ज़ीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मार्क पेपरमास्टर ने गुजरात की इस सेमीकंडक्टर पॉलिसी की सराहना करते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर हब बनने का समग्र इकोसिस्टम गुजरात में विकसित हो रहा है, जो इस उद्योग के साथ जुड़े हुए ग्लोबल प्लेयर्स को गुजरात में निवेश के लिए आकर्षित करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सहयोग और सरल नीतियों के परिणामस्वरूप भविष्य में गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारी निवेश होगा।यह उल्लेखनीय है कि एडवांस्ड माइक्रो डिवाइस की शाखाएं अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका व एशिया जैसे विभिन्न महाद्वीपों में हैं। 1969 में स्थापित की गयी यह कंपनी माइक्रो प्रोसेसर, ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट्स तथा सर्वर का उत्पादन करती है। विश्व भर में 25 हजार से अधिक कर्मचारियों वाली इस कंपनी की शाखाएं भारत में बेंगलुरु, गुड़गांव, हैदराबाद, मुंबई तथा दिल्ली में हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से इस शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्होंने मत व्यक्त करते हुए कहा कि एएमडी आने वाले समय में गुजरात में निवेश पर सकारात्मक विचार करेगा।

राज्य के तटीय इलाकों में अगले 5 दिन चलेगी तेज हवा, मछुआरों को समुद्र में ना जाने की सलाह

अहमदाबाद।

दक्षिण गुजरात को छोड़ गुजरात के अन्य हिस्सों में भारी बारिश की फिलहाल संभावना नहीं है, लेकिन आगामी 5 दिन राज्य के तटीय इलाकों में तेज हवा चलेगी। इसलिए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। 2 अगस्त तक तेज हवा चलने की संभावना को देखते हुए मांडवी, मुंद्रा, नवा कंडला, नवलखी, जामनगर, सलाया, ओखा और पोरबंदर में मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की अपील की गई है। हवा की रफ्तार 40 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। जो अस्थायी रूप से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है। दक्षिण गुजरात के तटीय क्षेत्रों में भी मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। द्वारका, वेरावल, दीव, जाफराबाद, पीपावाव, भावनगर, अलंग, भरुच, दहेज, मगदल्ला और दमन के तटीय इलाकों में तेज गति से हवा चल सकती है। दूसरी ओर मौसम विभाग का सूरत, नवसारी, तापी और डांग जिले में भारी बारिश का अनुमान है। वहीं राज्य के अन्य इलाकों छुटपुट बारिश हो सकती है। दाहोद, पंचमहल, छोटाउदेपुर, भरुच, नर्मदा, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा नगर हवेली, भावनगर, मेहसाणा और गिर सोमनाथ में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक कच्छ, बनासकांठा, द्वारका, राजकोट, पोरबंदर, जूनागढ़, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर, आणंद और वडोदरा

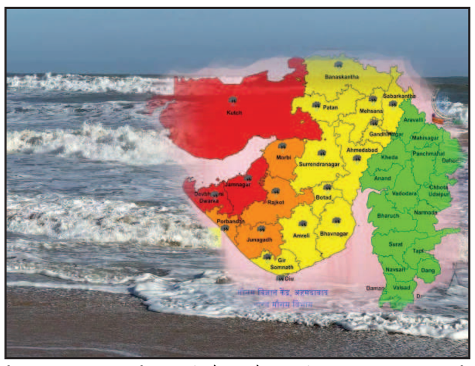

में सामान्य बारिश हो सकती है। गुजरात में मौसम की अब तक औसत 85 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। सबसे अधिक कच्छ में 134 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 108 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 66 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 62 प्रतिशत और मध्य गुजरात में मौसम की 56 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। सौराष्ट्र के 6 जिलों में 100 प्रतिशत से भी अधिक बारिश हुई है। राज्य के 206 जलाशयों में से 122 जलाशय हाईअलर्ट पर हैं। 20 जलाशय अलर्ट पर और 16 जलाशयों पर चेतावनी जारी की गई है।

ब्रांडेड कंपनी क्लियर वॉटर का नाम बताकर मिनरल वाटर बेचने का खुलासा

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के वराछा इलाके में मिनरल पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर क्लियर ब्रांड की नकल कर नकली पानी बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। क्लियरवॉटर अधिकारियों और वराछा पुलिस की एक टीम ने संयुक्त छापेमारी कर इस रैकेट का पर्दाफाश किया। वराछा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। क्लियर वाटर ब्रांड का दुरुपयोग करने वाली फर्जी व्यावसायिक इकाइयों पर छापे

क्लियर वाटर उन सभी ब्रांडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है जो क्लियर के नाम का उपयोग करके व्यवसाय कर रहे हैं और हमारे नाम पर लोगों को धोखा दे रहे हैं। हम अपनी ब्रांड छवि की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि लोगों के स्वास्थ्य से समझौता न हो।- **नयन शाह, संस्थापक और सीईओ, क्लियर प्रीमियम वॉटर**

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हजीरा स्थित एनर्जी बेवरेजेज प्रा.लि. कंपनी क्लियर नाम से मिनरल पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर बनाती और बेचती है।

तभी कंपनी के सेल्स मैनेजर जय कुमार अरविंद देवानी को सूचना मिली कि वराछा के भाजीवाला इंडस्ट्रियल एस्टेट में क्लियर ब्रांड की नकल कर मिनरल वाटर बेचा जा रहा है। सेल्स मैनेजर द्वारा इसकी सूचना कंपनी के सीईओ नयन शाह को दिए जाने के बाद अधिकारियों की एक टीम ने पुलिस से संपर्क किया और उन्हें पूरे तथ्य से अवगत कराते हुए मामले पर कार्रवाई करने का आदेश दिया। वराछा पुलिस ने अधिकारियों के साथ उक्त स्थान पर हलचल भरे प्लांट पर छापा मारा तो डुप्लीकेट का बर्तन फूट गया। प्लांट संचालक क्लियर ब्रांड लोगो के समान लोगो का उपयोग करके सिटी क्लियर नाम का विपणन कर रहे थे। पुलिस ने सेल्स मैनेजर जय कुमार देवानी की शिकायत के आधार पर ब्रिजेश देवेन्द्र कुमार भजियावाला के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी करेंगे एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के सूरत चैप्टर का उद्घाटन

सूरत भूमि, सूरत।

गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित एकल अभियान ट्रस्ट के अन्तर्गत एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के सूरत चैप्टर का उद्घाटन गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी द्वारा रविवार को सुबह 11:00 बजे सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन क्र द्वारका हॉल में किया जायेगा । शनिवार को इसके लिए ट्रस्ट द्वारा एक प्रेस-वार्ता का आयोजन सुबह साढ़े दस बजे से सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के बोर्ड रूम में किया गया ।

प्रेस -वार्ता में एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं पश्चिम जोन के चेयरमैन विनोद अग्रवाल ने बताया कि एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन, सूरत का शुभारंभ देश के प्रथम चैप्टर के रूप में होने जा रहा है । उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात के महामहिम राज्यपाल माननीय आचार्य देवव्रत जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में सनसिटी प्रोजेक्ट्स, एस्सल ग्रुप के चेयरमैन लक्ष्मी नारायण गोयल, अतिथि विशेष के रूप में अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी और मुख्य वक्ता के रूप में एकल अभियान के केन्द्रीय अभियान प्रमुख डॉ. ललन कुमार शर्मा की गौरवमयी उपस्थिति रहेगी।

सूरत चैप्टर से ग्रामोत्थान के ट्रस्टी एवं पश्चिम जोन के चेयरमैन विनोद अग्रवाल, संरक्षक प्रमोद चौधरी, विद्याकर बंसल, श्रीनारायण पेड़ीवाल, सुरेश अग्रवाल चैप्टर के गठन एवं आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था के लिये सक्रिय रूप से कार्यरत हैं । नव गठित चैप्टर के अध्यक्ष ब्रिजमोहन अग्रवाल, मंत्री संदीप बंसल एवं कोषाध्यक्ष मोहित गोयल सहित नई कार्यकारिणी को चैप्टर का कार्यभार सौंपा जायेगा।

नव गठित चैप्टर के अध्यक्ष अध्यक्ष ब्रिजमोहन अग्रवाल ने बताया कि ग्रामोत्थान के अन्तर्गत गुजरात में 23 एवं देश के 22 राज्यों में 181 प्रोजेक्ट्स चलाए जा रहे हैं, जिनमें मुख्यत: ग्रामोत्थान रिसोर्स सेंटर, कम्प्यूटर ट्रेनिंग लैब, एकल ऑन व्हील्स (मोबाईल कम्प्यूटर वैन), स्किल डेवलपमेंट सेंटर, इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण केन्द्र, जैविक खेती-बाड़ी के प्रोजेक्टस आदि सक्रियता से चल रहे हैं। गुजरात में 5 और देश में कुल 26 आईवीडी केन्द्र संचालित हैं। सुदूर गांवों के बच्चों को कम्प्यूटर का प्रशिक्षण मिले इसके लिये गुजरात में 6 और देश में 46 एकल ऑन व्हील्स संचालित हैं जिसमें 9 कम्प्यूटर और एलईडी स्क्रीन लगी होती है। इनके माध्यम से अभी तक 28,520 बच्चे प्रशिक्षित हो चुके हैं। ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देकर जहां किसानों को आर्थिक लाभ पहुँचाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर शहरों में कीटनाशक और रसायनिक खादों से रहित कृषि उत्पाद उपलब्ध करवा कर उनके स्वास्थ्य का रक्षण किया जा रहा है। "गौ आधारित खेती और खेती आधारित ग्रामोद्योग" को बढ़ावा देकर हर हाथ को काम और हर खेत को रसायन मुक्त बनाकर स्वास्थ्यपूर्ण पौष्टिक कृषि उपज से गांवों में समृद्धि लाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रेस वार्ता में एकल अभियान ट्रस्ट के एकल ग्रामोथान फ़ाउंडेशन के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण गोयल, केंद्रीय अभियान प्रमुख डॉ ललन कुमार शर्मा, मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन एस.के. जिंदल, एकल ग्लोबल फ़ाउंडेशन के चेयरमैन नरेश अग्रवाल, चंद्रकांत रायपत, चेयरमैन वेस्ट जोन विनोद अग्रवाल, एकल श्रीहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल उपस्थित रहें ।

सूरत भूमि, सूरत।

मुस्लिम समुदाय में मुहर्रम के महीने का खास महत्व होता है। मुहर्रम का महीना इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना होता है। मुस्लिम धर्म को मानने वाले दुनिया भर में मुहर्रम मनाते हैं. शिया समुदाय के लोग पूरे माह पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे की शहादत को याद कर गम करते हैं। इराक के कर्बला की जंग में पैगंबर मोहम्मद के छोटे नाती इमाम हुसैन और उनके 72 साथी शहीद हो गए थे। ये जंग इस्लाम की रक्षा के लिए यजीद की सेना और हजरत इमाम हुसैन की सेना के बीच हुई थी। इस जंग में इमाम हुस्सैन ने इस्लाम की रक्षा के अपने 72 साथियों के साथ शहादत दी थी। इमाम हुसैन और उनके साथियों के शहादत के गम में ही मुहर्रम मनाया जाता है। हर्रम माह की पहली तारीख से नौवीं तारीख तक शिया लोग रोजा रखते हैं। मुहर्रम की नौंवी और दसवीं तारीख को सुन्नी समुदाय के लोग रोजा रखते हैं। कई शहरों में इमामबाड़े से ताजिए के जुलुस निकाले जाते हैं।

ठीक इसी तरह सूरत शहर के लिंबायत विस्तार में स्थित प्रताप नगर में सहायता एजुकेशन फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख शेख नईम दिलावर भाई लाकड़ावाला द्वारा ताजिया निकालने वाले लोगों को शरबत और केक खिलाकर शांतिपूर्वक मोर्हर्म मनाया गया।

दो दिवसीय "ननद-भाभी" सावन मेला सोमवार से

सूरत,

स्वयं संस्था द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय "ननद-भाभी" सावन मेले का आयोजन सोमवार से सिटी-लाइट स्थित माहेश्वरी भवन में किया जायेगा । मेले में मुख्य अतिथि के रूप में सूरत की ष्ष्टक्क अमिता वनानी उपस्थित रहेगी । मेले में भारत के विभिन्न शहरों की प्रसिद्ध कलात्मक वस्तुओं का विशाल प्रदर्शन किया जाएगा । यह मेला पिछले पांच वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्लेटफार्म प्रदान करना है । स्वयं संस्था द्वारा अभी तक 15 से अधिक एक्सिबिशन का आयोजन किया जा चूका है ।

सुबह दस बजे से शुरू होने वाले इस मेले में कोलकाता की प्रसिद्ध राखियां, विभिन्न शहरों के गिफ्ट आइटम, गृहोपयोगी वस्तुएं, हैण्डीक्राफ्ट्स, बैग, गारमेन्ट्स, सजावट की विभिन्न वस्तुएं, ज्वेलरी एवं अन्य वस्तुएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध रहेंगे।

मेले की व्यवस्था में ऋतू गोयल, शशि जैन, विमल अग्रवाल, उमा जालान, रेखा कानूनगो एवं अनेकों पदाधिकारी अलग-अलग जिम्मेदारियां सँभाल रही है । गुरुवार को संस्था की मीटिंग में सभी तैयारियों को पूरा करके अंतिम रूप दिया गया ।

बिरला फर्टिलिटी एंड आई. वी. एफ. ने गुजरात के सूरत में प्रवेश किया

Birla Fertility & IVF

सूरत। सीके बिरला ग्रुप आने वाले दिनों में सूरत में अपना विस्तृत फर्टिलिटी एंड आई.वी.एफ. केंद्र, बिरला फर्टिलिटी एंड आई.वी.एफ. प्रारम्भ करेंगे। यह बिरला ग्रुप का राज्य में पहला केंद्र होगा । इससे पहले दिल्ली, हरियाणा, यूपी, बंगाल, बिहार, उड़ीसा, चंडीगढ़, असम, राजस्थान समेत कई राज्यों में अपने 18 केंद्रों को सथापित करने वाला बिरला ग्रुप अब आगरा, भोपाल, अहमदाबाद और सूरत समेत अन्य प्रमुख शहरों और कस्बों में विस्तार करने की योजना बना रहा है । सीके बिरला ग्रुप अगले चार सालों में 500 करोड़ रु. से ज्यादा निवेश के साथ देश-विदेश में 100 से ज्यादा फर्टिलिटी सेंटर्स तक अपना विस्तार करेगा

इस नए सेंटर की घोषणा के बारे में अवंति बिरला, फाउंडर, बिरला फर्टिलिटी एंड आई. वी. एफ. ने कहा, "हम मरीजों पर केंद्रित गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान करते हैं । बिरला फर्टिलिटी एंड आई. वी. एफ. क्लिनिकल विशेषज्ञता और करुणा के साथ हर दंपत्ति को अपने इस सफर में सहयोग कर इस प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा । फर्टिलिटी का इलाज आई. वी.एफ. तक सीमित नहीं, बल्कि यह अच्छे प्रजनन स्वास्थ्य और इलाज के साथ संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। हमारा उद्देश्य है,'' श्रेष्ठ सेवा, सर्वश्रेष्ठ परिणामज्ञ, यानि क्लिनिकल विशेषज्ञता और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल ।

बिरला फर्टिलिटी एंड आई.वी.एफ. के चीफ बिज़नेस अफसर , श्री अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि ''हालांकि भारत में प्रजनन संबंधी समस्याओं वाले 28 मिलियन दंपत्ति हैं, लेकिन केवल 1 प्रतिशत से भी कम अपने इलाज के लिए डॉक्टर चैकअप की तलाश करते हैं। यह मुख्य रूप से जागरूकता की कमी के कारण होता है । हमारी कोशिश, बिहतरीन ईलाज, खोज और नवीनता के माध्यम से फर्टिलिटी के भविष्य को बदलना है। इससे हम प्रजनन देखभाल में विश्व स्तर पर अपनी पहुँच बनाने में कामयाब हो सकेंगे । बिरला फर्टिलिटी एंड आई.वी.एफ. दंपत्तियों को सही प्रजनन विकल्प चुनने में सशक्त बनाने का एक बेहतरीन कदम है । बिरला फर्टिलिटी एंड आई.वी.एफ. में, हमारा प्रयास है कि हम जागरूकता पैदा करने के साथ विश्वसनीय फर्टिलिटी ट्रीटमैंट प्रदान कर सकें ।"

बिरला फर्टिलिटी एंड आई. वी. एफ. क्लिनिकली भरोसेमंद इलाज, किफायती और पारदर्शी लागत, मरीजों को संवेदनशील और विश्वसनीय देखभाल का वादा करता है । बहुत ही कम समय में, फर्टिलिटी एंड आई. वी.एफ. चेन से इलाज़ करवाने वाले मरीज़ों को बेहतरीन प्रणाम मिले हैं । यहाँ आने वाले 85 प्रतिशत नि:संतान दंपत्तियों का प्रजनन इलाज सफल होता है और 95 प्रतिशत वो संतुष्ट होकर वापस जाते हैं ।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड ने आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल निफ्टी 200 क्वालिटी 30 ईटीएफ लॉन्च किया

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड ने आईसीआईसीआई प्रु डेंशियल निफ्टी 200 क्वालिटी 30 ईटीएफ लॉन्च करने की घोषणा की है। इस पेशकश का लक्ष्य ट्रैकिंग एरर्स के अधीन, निफ्टी 200 क्वालिटी 30 इंडेक्स द्वारा प्रदान किए गए रिटर्न के अनुरूप रिटर्न प्रदान करना है।

इस सूचकांक के लिए चयन ब्रह्मांड निफ्टी 200 सूचकांक है। प्रत्येक कंपनी के लिए गुणवत्ता स्कोर पिछले 5 वर्षों के दौरान विश्लेषण किए गए इक्विटी पर रिटर्न (आरओई), वित्तीय उत्तोलन (डेब्ट /इक्विटी रेश्यो) और कमाई (ईपीएस) वृद्धि परिवर्तनशीलता के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उच्च लाभप्रदता, कम उत्तोलन और अधिक स्थिर आय वाली 30 कंपनियों को सूचकांक का हिस्सा बनने के लिए चुना जाता है। फ्री फ्लोट बाजार पूंजीकरण के आधार पर स्टॉक का भार सूचकांक में स्टॉक के भार के 5% या 5 गुना से कम पर सीमित किया जाता है।

उत्पाद के लॉन्च पर बोलते हुए, आईसीआईसीआई प्रु डेंशियल एएमसी के हेड इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी चिंतन हरिया ने कहा, "आईसीआईसीआई प्रु डेंशियल निफ्टी 200 क्वालिटी 30 ईटीएफ एक कारक के रूप में गुणवत्ता के आधार पर एक स्मार्ट बीटा पेशकश है। यह पेशकश निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों और मजबूत नकदी प्रवाह वाली कंपनियों में इक्विटी निवेश में विविधता लाने का अवसर प्रदान करती है। सूचकांक ने ऐतिहासिक रूप से निफ्टी 200 टीआरआई और निफ्टी 50 टीआरआई की तुलना में बेहतर लाभांश उपज प्रदान की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)